Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2022-24
website- www.dvpnews.in
रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 181 ● वर्ष : 12 ● रायपुर, मंगलवार 07 जनवरी 2025 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

धर्म ध्यान दूसरों के माध्यम से नहीं होता, उसके लिए स्वयं कमर कसना चाहिये।

Religious meditation is not attained through others, for is one must resolve him self.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

आईईडी ब्लास्ट में 9 जवानों की शहादत

केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने जताया शोक, कहा- हमारे जवानों का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा

बीजापुर/रायपुर (आरएनएस)। दंतेवाड़ा, नारायणपुर और बीजापुर में मिशन से लौट रहे संयुक्त ऑपरेशन दल को बीजापुर जिले के कुटरू क्षेत्र के अंबेली गांव के पास माओवादियों ने आईईडी विस्फोट कर निशाना बनाया। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बीजापुर जिले में सोमवार (6 जनवरी, 2025) को नक्सलियों ने दंतेवाड़ा के डीआरजी जवानों की गाड़ी पर हमला कर दिया। हमला इतना भयानक था कि गाड़ी में सवार 8 जवान शहीद हो गए और एक ड्राइवर की भी मौत हो गई। इस भयानक हमले के बाद का वीडियो और तस्वीरें भी सामने आईं, जिसे जिसने भी देखा उनकी रुह कांप उठी, क्योंकि इस भीषण ब्लास्ट में घटना के बाद मौके पर विस्फोट की वजह से लगभग पांच फीट से ज्यादा गहरा गड्ढा हो गया। बीजापुर में नक्सली हमले के बाद राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की टीम भी घटनास्थल पर पहुंच गई है और जांच शुरू कर दी है। एनआईए की फॉरेंसिक टीम भी मौके पर पहुंच गई है। इस हमले में दंतेवाड़ा डीआरजी के 8 जवान समेत ड्राइवर की शहादत पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने शोक जताया.

बेदरे कुटरू मार्ग में ग्राम अंबेली में आईईडी ब्लास्ट में शहीद जवानों की सूची- (1) डीआरजी प्रधान आरक्षक 957 बुधराम कोरसा पिता पाण्डू कोरसा, ग्राम बड़े तुंगाली, पोस्ट थाना जांगला, जिला बीजापुर। (2) बस्तर फाईटर्स आ./1329 सोमडू वेट्टी पितासन्नू वेट्टी ग्राम परचेली बंडीपारा थाना कटेकल्याण तह. कटेकल्याण जिला दंतेवाड़ा। (3) बस्तर फाईटर्स आ./1332 सुदर्शन वेट्टी पिताआषा राम व्अम ग्रामपो0 गुमलनार गिरसापारा थाना गीदम तह0 गीदम जिला दंतेवाड़ा। (4) बस्तर फाईटर्स आ. /1389 सुबरनाथ यादव पिताश्रीधर यादव ग्राम पो0 छोटे तुमनार थाना गीदम तह. गीदम जिला दंतेवाड़ा। (5) बस्तर फाईटर्स आ. /1229 हरीश कोर्राम पिता गोन्डू, पता गढ़मिरी पोस्ट नकुलनार थाना कुआकोण्डा,तह0कुआकोण्ड़ा जिला दन्तेवाड़ा। (6) डीआरजी आ. /263 डूम्मा मरकाम पिताआयतु मरकाम ग्राम पंचायत मड़कामीरास पोस्ट गुमियापाल थाना किरन्दुल तहसील बड़े बचेली जिला दन्तेवाड़ा। (7) डीआरजी आ./1098 पण्डरू राम पोयाय पिता स्व. जोगा पोयाम ग्राम कावड़गॉव रीमापारा पोस्ट कावड़गॉव थाना कटेकल्याण तह. दन्तेवाड़ा जिला दन्तेवाड़ा। (8) डीआरजी आ. /1453 बामन सोढ़ी पिता स्व. हड़मा सोढ़ी, ग्राम करकावाड़ा पोस्ट नेलसनार थाना बांगापाल तह. भैरमगढ़ जिला बीजापुर। (9) वाहन चालक (सिविल) तुलेश्वर राना ग्राम आरापुर जगदलपुर।

हमारे जवानों का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा : इस हमले में दंतेवाड़ा डीआरजी के 8 जवान समेत ड्राइवर की शहादत पर पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने शोक जताया. उन्होंने कहा है कि हमारे जवानों का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा. हम मार्च 2026 तक भारत की भूमि से नक्सलवाद को समाप्त करके ही रहेंगे. गृहमंत्री अमित शाह ने एक्स पर लिखा है कि बीजापुर (छत्तीसगढ़) में IED ब्लास्ट में DRG के जवानों को खोने की सूचना से अत्यंत दुखी हूं. वीर जवानों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं. इस दुख को शब्दों में व्यक्त कर पाना असंभव है, लेकिन मैं विश्वास दिलाता हूं कि हमारे जवानों का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा. हम मार्च 2026 तक भारत की भूमि से नक्सलवाद को समाप्त करके ही रहेंगे.

जवानों की शहादत व्यर्थ नहीं जाएगी, नक्सलवाद के खात्मे के लिए हमारी लड़ाई मजबूती से रहेगी जारी: मुख्यमंत्री साय

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज बीजापुर जिले के कुटरू में नक्सलियों द्वारा किए गए आईईडी ब्लास्ट में 8 जवानों सहित एक वाहन चालक के शहीद होने की दुःखद घटना पर शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि मेरी संवेदनाएं शहीदों के परिजनों के साथ है। ईश्वर से शहीद जवानों की आत्मा की शांति और शोकाकुल परिजनों को संबल प्रदान करने की प्रार्थना करता हूं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बस्तर में चल रहे नक्सल उन्मूलन अभियान से नक्सली हताश हैं और विचलित होकर ऐसी निंदनीय और कायराना हरकतों को अंजाम दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि जवानों की शहादत व्यर्थ नहीं जाएगी और नक्सलवाद के खात्मे के लिए हमारी यह लड़ाई मजबूती से जारी रहेगी।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने महासमुंद जिले को 217 करोड़ रुपए के विकास कार्यों की दी सौगात

रायपुर (विश्व परिवार)। श्रद्धेय अटल जी ने छत्तीसगढ़ राज्य बनाया है और हमारा संकल्प है कि-हम सब मिलकर छत्तीसगढ़ को संवारेंगे। डबल इंजन की सरकार बनने से केन्द्र सरकार से छत्तीसगढ़ को भरपूर समर्थन मिल रहा है। हाल ही में केन्द्र सरकार ने सड़क और हवाई कनेक्टीविटी के साथ-साथ कई रेल परियोजनाओं की भी मंजूरी दी हैं। मुख्यमंत्री ने आज महासमुंद में विभिन्न विकास कार्यों के लोकर्पण एवं भूमिपूजन कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए यह बात कही। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने 217 करोड़ 17 लाख रुपए की लागत के 419 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया।

भारत में HMVP वायरस का मिला तीसरा केस, अहमदाबाद में 2 महीने का बच्चा पॉजिटिव

एडवाइजरी जारी

अहमदाबाद (आरएनएस)। चीन में ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है। भारत में भी एचएमपीवी वायरस के मामले सामने आने लगे हैं। बेंगलुरु के बाद गुजरात के अहमदाबाद में 2 महीने के बच्चे की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। बच्चे का एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है।

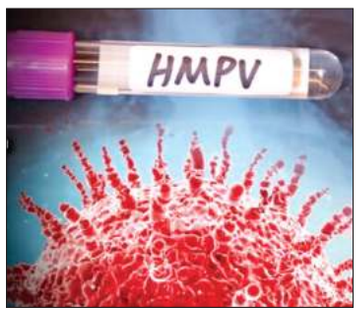

भारत में अब तक एचएमपीवी वायरस के तीन मामले सामने आ चुके हैं। इनमें से दो कर्नाटक में और अब एक मामला गुजरात के अहमदाबाद से सामने आया है। बच्चे में सर्दी और बुखार के लक्षण हैं। निजी अस्पताल की एक लैब के अनुसार, बच्चे की एचएमवीपी रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। बच्चा मोडासा के नजदीक एक गांव का रहने वाला है। बच्चे की तबीयत सामान्य बताई जा रही है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, गुजरात स्वास्थ्य विभाग ने सोमवार को हेल्थ एडवाइजरी जारी की है। विभाग ने वायरस की गंभीरता को देखते हुए लोगों को सलाह दी है कि यदि आप खांसते या छींकते हैं तो अपने मुंह और नाक को रुमाल से ढके रहें। बीमार हैं तो सार्वजनिक स्थानों पर जाने से बचें। यदि सांस संबंधी समस्या होने पर तुरंत डॉक्टरों को दिखाएं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, एचएमपीवी वायरस वायरस मुख्य रूप से पीड़ित व्यक्ति के श्वसन तंत्र को प्रभावित करता है। इसके लक्षण कई मामलों में कोविड-19 के समान ही होते हैं। हालांकि, ये वायरस मुख्य रूप से शिशुओं और छोटे बच्चों को संक्रमित करता है। इस वायरस से संक्रमित मरीज में सबसे आम लक्षण खांसी है। इसके साथ हल्का बुखार, घरघराहट, नाक बहना या गले में खराश जैसे परेशानी भी हो सकती है। वायरस से संक्रमित होने के बाद कुछ मामलों में गंभीर लक्षण आ सकते हैं। सांस लेने में तकलीफ भी हो सकती है।

पीएम मोदी ने किया जम्मू रेलवे डिवीजन एवं परियोजनाओं का उद्घाटन

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए जम्मू के नए रेलवे डिवीजन और तेलंगाना में चरलापल्ली न्यू टर्मिनल स्टेशन का उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री ने ईस्ट कोस्ट रेलवे के रायगढ़ रेलवे डिवीजन भवन की आधारशिला भी रखी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि पिछला एक दशक भारतीय रेलवे के ऐतिहासिक ट्रांसफॉर्मेशन का रहा है। रेलवे इन्फ्रास्ट्रक्चर में एक विजिबल चेंज आया है। इससे देश की छवि बदली है और देशवासियों का मनोबल भी बढ़ा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में रेल कनेक्टिविटी का अद्भुत विस्तार हुआ है। 2014 तक देश में सिर्फ 35 प्रतिशत रेल लाइनों का इलेक्ट्रिफिकेशन हुआ था। आज हम रेल लाइनों के शत-प्रतिशत इलेक्ट्रिफिकेशन के करीब हैं। बीते 10 वर्षों में 30 हजार किमी. से ज्यादा नए रेलवे ट्रैक बिछाए गए है।प्रधानमंत्री ने कहा- हमारा जम्मू-कश्मीर आज रेल इंफ्रास्ट्रक्चर में नए रिकॉर्ड बना रहा है। उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लाइन की चर्चा आज पूरे देश में है। ये परियोजना जम्मू-कश्मीर को देश के और हिस्सों के साथ और बेहतरी से जोड़ेगी। इसी परियोजना के तहत दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे आर्च ब्रिज चिनाब का काम पूरा हुआ है। भारत में रेलवे के विकास को हम चार पैरामीटर्स पर आगे बढ़ा रहे हैं। पहला- रेलवे के इंफ्रास्ट्रक्चर का मॉर्डनाइजेशन, दूसरा रेलवे के यात्रियों को आधुनिक सुविधाएं, तीसरा रेलवे की देश के कोने-कोने में कनेक्टिविटी और चौथा- रेलवे से रोजगार का निर्माण, उद्योगों को सपोर्ट। जम्मू देश का 69वां डिवीजन होगा। अब तक यह उत्तर रेलवे जोन के फिरोजपुर में आता था। अभी देश में रेलवे के कुल 17 जोन और 68 डिवीजन हैं।

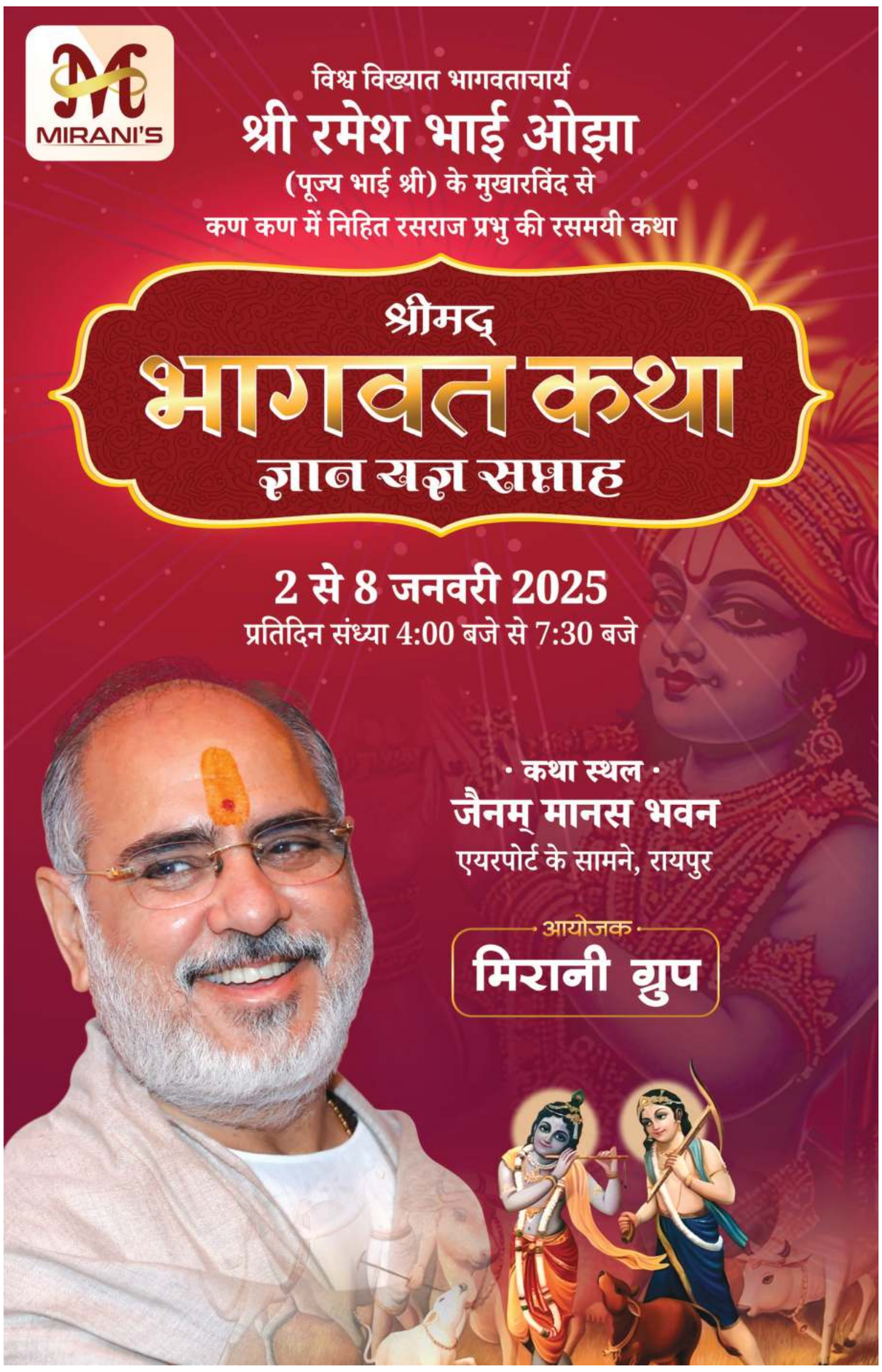

दैनिक
विश्व परिवार
रायपुर/दुर्ग-भिलाई/बलौदाबाजार
रायपुर, मंगलवार 07 जनवरी 2025
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com
2

संक्षिप्त समाचार

छत्तीसगढ़ प्रदेश वाहन चालक संघ की बैठक शंकर नगर बीटीआई ग्राउंड में सम्पन्न

रायपुर (विश्व परिवार)। दिनांक 5.1.2025 शंकर नगर बीटीआई ग्राउंड में आज वाहन चालक संघ का बैठक रखा गया जिसमें अध्यक्ष महोदय श्री गेंद लाल साहू जी महामंत्री दीपक बैघ जी संगठन मंत्री हैरिसन राय प्रभारी राजेंद्र कुमार जिला अध्यक्ष मनोज साहू दिलीप साहू धर्मेंद्र साहू सभी पदाधिकारी उपस्थित रहे वाहन चालक सभी सदस्य गण को एक सही मार्गदर्शन के लिए यह बैठक रखा गया जिसमें नशा करके गाड़ी नहीं चलाएंगे और ट्रैफिक नियम का पालन करेंगे हमारे चालक द्वारा शपथ ग्रहण लिया गया और हमारे छत्तीसगढ़ प्रदेश वाहन चालक संघ से जुड़ने के लिए अनुरोध किया गया जितने हमारे प्रदेश में चालक भाइयों को धन्यवाद करते हैं।

आंगनबाड़ी क्षेत्र की भूमि पर अवैध बाउंड्रीवाल निर्माण कब्जा, निगम ने चलाया बुलडोजर

दुर्ग (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम, कमिश्नर सुमित अग्रवाल के निर्देश एवं भवन अधिकारी गिरीश दिवान के मार्गदर्शन पर निगम क्षेत्रांतर्गत वार्ड 50 रेल्वे कासिंग के पास, बोरसी भाठा पवन चंद्राकर द्वारा स्वामित्व क्षेत्र से अधिक आंगनबाड़ी क्षेत्र की भूमि पर बाउंड्रीवाल निर्माण कार्य किया गया है, जिससे आंगनबाड़ी निर्माण कार्य एवं आंगनबाड़ी की भूमि प्रभावित हो रही है। उक्त निर्माण को स्वयं से हटाये जाने अनावेदकों को इस कार्यालय का नोटिस प्रेषित किया गया, जिसके तहत् अनावेदक द्वारा आज दिनांक उक्त निर्माण को नहीं हटाया गया है। निगम टीम अतिक्रमण स्थल पर पहुँचकर निरीक्षण किया मौके पर अतिक्रमण/कब्जा पाया गया है।आंगनबाड़ी क्षेत्र की भूमि पर अवैध बाउंड्रीवाल निर्माण, नगर निगम ने कार्रवाही कर बुलडोजर चलाकर बाउंड्रीवाल निर्माण को तोड़कर हटाया गया।कार्रवाही के मौके पर भवन निरीक्षण विनोद मांझी, करण यादव, प्रभारी अतिक्रमण परमेश्वर सहित टीम अमला के अलावा पद्मनाभपुर थाना बल मौजूद रहे।

विभागीय कार्यो में कसावट लाने जोन आयुक्तों का कार्य विभाजन आदेश जारी किये आयुक्त ने

भिलाईनगर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ शासन नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने आदेश जारी करते हुए अमरनाथ दुबे की पदस्थापना नगर पालिक निगम भिलाई में जोन आयुक्त के पद पर की गई है। नगर निगम भिलाई के आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने शासन से प्राप्त आदेश के परिपालन में जोन आयुक्तो के कार्यो का विभाजन कर दायित्व सौंपा गया है। जिससे निगम भिलाई क्षेत्र में कराये जा रहे विकास/निर्माण कार्यो के साथ-साथ शासन द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं का व्यापक रूप से परिपालन किया जा सके। जिससे इसका लाभ सीधे जनता को मिले। अधिकारी जिनके कार्यो का विभाजन किया गया है जो इस प्रकार से जोन क्रमांक-01 नेहरू नगर में अजय सिंह राजपूत, जोन क्रमांक-02 वैशालीनगर में सुश्री येशा लहरे, जोन क्रमांक-03 मदर टेरेसा नगर में सतीश यादव, जोन क्रमांक-04 शिवाजी नगर खुर्सीपार में अमरनाथ दुबे एवं जोन क्रमांक-05 सेक्टर 06 में कुलदीप गुप्ता को जोन आयुक्त के कार्य का दायित्व सौंपा गया है। जो अपने-अपने क्षेत्रों में दिये गये दायित्वों का निर्वहन करेगें।

अपेक्स बैंक में नवनियुक्त एम्प्लाइज का प्रशिक्षण सत्र का शुभारम्भ

रायपुर (विश्व परिवार)। अपेक्स बैंक द्वारा संचालित छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी प्रशिक्षण संस्थान पंडरी रायपुर में तीन दिवसीय प्रशिक्षण का आज दिनाँक 06.01.2025 को शुभारंभ किया गया। प्रशिक्षण सत्र के मुख्य अतिथि श्री के एन कान्डे ज्वाइंट कमिश्नर कोआपरेटिव्ह व अपेक्स बैंक के प्रबंध संचालक द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्रशिक्षण संस्थान के डायरेक्टर व अपेक्स बैंक के डीजीएम श्री भूपेश चंद्रवंशी तथा डिप्टी डायरेक्टर व प्रबंधक श्री ए के लहरे मौजूद रहे।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अपेक्स बैंक के प्रबंध संचालक श्री के एन कान्डे ने नवनियुक्त सहायक प्रबंधको, सामान्य सहायको तथा कार्यालय सहायको को संबोधित करते हुए कहा कि बैंकिंग सेक्टर में ग्राहक सुविधा सर्वोपरी है। छत्तीसगढ़ के किसान सीधे कोआपरेटिव्ह बैंकों तथा पैक्स सोसाइटियों से जुड़े है। किसानों की खेतीगत ऋण आवश्यकताओं की पूर्ति कोआपरेटिव्ह बैंको से होती है। कोआपरेटिव्ह बैंको से खरीफ तथा रबी फसलों के अलावा डेयरी, मत्स्य, लाख पालन तथा उद्यानिकी लिए ब्याज मुक्त कृषि ऋण दिया जाता है। केंद्र सरकार की पहल पर छत्तीसगढ़ में 'सहकार से समृद्धि' की योजनाओ का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ में नवगठित पैक्स सोसाइटी, डेयरी तथा मत्स्य सोसाइटियों का पंजीयन किया जा चुका है। यह समय धान खरीदी का है। किसानों को धान खरीदी की राशि का आन लाइन भुगतान हमारे बैंको से होता है। किसानों को भुगतान में किसी तरह की असुविधा नही होनी चाहिए साथ ही बैंक के हितग्राहियो व किसानों से यथोचित सम्मानपूर्वक व्यवहार किया जाए।

अपेक्स बैंक के डीजीएम व प्रशिक्षण संस्थान के डायरेक्टर श्री भूपेश चंद्रवंशी ने इस अवसर पर कहा कि इस प्रशिक्षण में रिजर्व बैंक तथा नाबार्ड के मापदंडों के अनुरूप सामान्य बैंकिंग कार्य व्यवहार, डिपाजिट अकाउंट, लोन अकाउंट, केवाईसी, कोर बैंकिंग, एटीएम का परिचालन तथा एनईएफटी व आरटीजीएस व आधुनिक बैंकिंग टेक्नालाजी के संबंध में प्रशिक्षण दिया जाएगा। साथ ही बैंक सेवा नियम के तहत नवनियुक्त एम्प्लाइज के पद के अनुरूप कर्तव्यों तथा दायित्वों के बारे में अवगत कराया जाएगा।

इस अवसर पर अपेक्स बैंक के एजीएम श्री एल के चौधरी, एजीएम व अपेक्स बैंक पंडरी के शाखा प्रबंधक श्री अजय भगत, प्रशिक्षण संस्थान के उप निदेशक व प्रबंधक श्री ए के लहरे, लेखा अधिकारी श्री प्रभाकर कांत यादव व प्रतिभागीगण उपस्थित रहे।

कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी ने नगर निगम के प्रशासक के तौर पर पदभार ग्रहण किया, निगम परिषद का खत्म हुआ कार्यकाल

दुर्ग (विश्व परिवार)। नगर निगम परिषद का कार्यकाल खत्म हो गया. सोमवार से नगर निगम के कामकाज का जिम्मा बतौर प्रशासक यानि कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी के पास रहेगा.अब तक के दुर्ग निगम के इतिहास में यह दूसरी दफा होगा जब नगर निगम का कामकाज प्रशासक के हवाले किया गया।

राज्य सरकार ने जिला कलेक्टरों को प्रशासक बनाया है. कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी ने नगर निगम के प्रशासक के तौर पर आज सुबह 11 बजे पदभार ग्रहण किया.इस अवसर पर कमिश्नर सुमित अग्रवाल, पूर्व महापौर धीरज बाकलीवाल, पूर्व एमआईसी सदस्य अब्दुल गनी, सजंय कोहले, दीपक साहू, भोला महोविया, राज कुमार नारायणी, विजेंद्र भारद्वाज, भास्कर कुंडले सहित उपायुक्त मोहेंद्र साहू, कार्यपालन अभियंता मोहन पूरी गोस्वामी, दिनेश नेताम, आरके जैन, गिरीश दीवान, वीपी मिश्रा, आरके बोरकर के अलावा निगम अधिकारी/कर्मचारी मौजूद रहें। कलेक्टर बने प्रशासक:आगामी महापौर के चुनाव तक प्रशासक ही नगर निगम की जिम्मेदारियों को संभालेंगे. जब तब आचार संहिता नहीं लग जाती है प्रशासक ही सभी फैसले करेंगे. टेंडर की जो प्रक्रिया होगी उसे प्रशासक ही कराएंगे. एमआईसी और सामान्य सभा की ओर से लिए जाने वाले निर्णय करने का अधिकार भी प्रशासक के पास रहेगा. आचार संहिता लागू होने के बाद नए काम पर रोक जरुर लग जाएगी.

नए काम पर रहेगी रोक: प्रदेश सरकार इस संबंध में आदेश जारी कर दिया था.चूंकि पांच साल पहले शहर सरकार ने 06 जनवरी को ही शपथ ली थी इसलिए उसे 05 जनवरी तक काम करने का अवसर दिया गया.कलेक्टर और नगर निगम प्रशासक सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी ने कहा कि नगर निगम में पुराने परिषद का कार्यकाल 05 जनवरी 2025 तक था. उनका कार्यकाल समाप्त हुआ इसके बाद राज्य शासन की अधिसूचना है कि कलेक्टर को प्रशासक के तौर पर नियुक्त किया गया है। कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी ने पदभार ग्रहण करते ही कमिश्नर सुमित अग्रवाल सहित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

प्रत्येक सोमवार को सभी जोन में नवीन राशन कार्ड वितरित किया जा रहा है

भिलाईनगर (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र के सभी पांचो जोन में नवीन राशनकार्ड प्रत्येक सोमवार को कापरेटिव दुकान के संचालको एवं निगम कर्मचारियो द्वारा वितरित किया जा रहा है। इससे स्थानीय वार्ड के राशन कार्डधारियो को फायदा हो रहा है। सभी लोग आवश्यकतानुसार आकर जोन कार्यालय से नवीन राशन कार्ड प्राप्त कर रहे है। यह शिविर सुबह 11 से 4 बजे तक लगाया जा रहा है। जिसमें हितग्राही अपने पुराने राशन कार्ड को लाकर नवीन राशन कार्ड प्राप्त कर रहे है।

निगम क्षेत्र में कुल 172 शासकीय राशन दुकान संचालित हो रही है। निगम भिलाई क्षेत्र में कुल राशन कार्डधारियो की संख्या 88065 है, जिसमे से 49101 नवीन राशन कार्ड वितरण किया जा चुका है 38964 राशन कार्ड वितरण हेतु शेष है। सभी राशन दुकानों में नवीन राशन कार्ड बनाकर रखा गया है, बहुत से हितग्राही अपना नवीन राशन कार्ड नही ले गये है। उनकी सुविधा के लिए निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने प्रत्येक सोमवार को निर्धारित समय पर राशन कार्ड वितरित करने का शिविर जोन कार्यालय में निर्देशित किये थे। इसी के परिपेक्ष्य में राशन कार्ड वितरित किया जा रहा है, जिसका लाभ राशन कार्डधारी उठा रहे है। सभी राशन कार्डधारियो को अपना पुराना राशनकार्ड नवीनीकरण कराना आवश्यक है। बाद में पुराने राशन कार्ड पर राशन मिलना बंद हो सकता है।

शासन द्वारा यह सुविधा दी गई है कि हितग्राही अपनी सुविधा अनुसार किसी भी सरकारी राशन दुकान से राशन प्राप्त कर सकता है। लेकिन उसे अपना नवीन राशन कार्ड लेने के लिए अपने पुराने शासकीय राशन दुकान पर जाना आवश्यक है। वहीं से नवीन राशन कार्ड प्राप्त होगा। एक बार प्राप्त हो जाने के बाद फिर किसी भी राशन दुकान से अपनी सुविधा अनुसार राशन प्राप्त कर सकते है।

जिला शिक्षा अधिकारी पी.के. भटनागर ने किया विद्यालयों का निरीक्षण, शैक्षणिक गुणवत्ता उन्नयन हेतु दिए आवश्यक निर्देश

जशपुर (विश्व परिवार)। जिला शिक्षा अधिकारी पी .के. भटनागर ने दुलदुला विकासखंड के विभिन्न स्कूलों का आकस्मिक निरीक्षण कर शैक्षणिक गुणवत्ता उन्नयन हेतु आवश्यक निर्देश दिए।

जिला शिक्षा अधिकारी ने शा. हायर सेकेंडरी विद्यालय कस्तुरा, कोरना, दुलदुला, हायर सेकेंडरी स्कूल चराईडांड एवं सेजेस पतराटोली का आकस्मिक निरीक्षण कर विद्यालय की गतिविधियों का अवलोकन किया। इन्होंने स्कूल के प्राचार्यों को विद्यालय में बच्चों की शत प्रतिशत उपस्थिति का निर्देश देकर बच्चों की विषयगत शंकाओं का समाधान करने को कहा, उन्होंने कहा कि विद्यालय के प्राचार्य और शिक्षक यह सुनिश्चित करे कि जनवरी माह में कक्षा दसवीं एवं बारहवीं हेतु आयोजित होने वाली प्री बोर्ड परीक्षा में शत प्रतिशत विद्यार्थी सम्मिलित हो। जिला शिक्षा अधिकारी ने कहा कि बोर्ड परीक्षा के लिए काफ़ी कम समय बचा है। उन्होंने कहा कि 3 जनवरी से यशस्वी जशपुर के तहत मिशन 40 डेज प्रारंभ हो चुका है। जिसके लिए जिला स्तर से कक्षा 10 वीं एवं 12 वीं के विषय अनुसार प्रश्न बैंक उपलब्ध करा दिए गए है। यशस्वी जशपुर के निर्देशानुसार बच्चों को परीक्षा की तैयारी कराई जानी है। इस अवसर पर यशस्वी जशपुर के नोडल अधिकारी विनोद कुमार गुप्ता ने कक्षा 10 वीं और 12 वीं की बोर्ड परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करने के टिप्स भी बच्चों को दिए। इस दौरान यशस्वी जशपुर के संजीव शर्मा एवं जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय के प्रकाश सिन्हा भी साथ में थे।

सिंगजयूज प्लास्टिक एवं सड़क पर कचरा फैलाने वालो से 2100 रुपए अर्थदण्ड वसूली

भिलाईनगर (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र के जोन क्रमांक 03 अंतर्गत पावर हाउस सर्कुलर मार्केट सूर्या नगर वार्ड 36 का निरीक्षण निगम की टीम ने किया। निरीक्षण के दौरान वहां के दुकानदारो द्वारा सिगलयूज प्लास्टिक प्रतिबंधित होने के बावजूद सामग्री डालकर विक्रय किया जा रहा था। संबंधित दुकानदारो से 1500 रूपये की अर्थदण्ड वसूल किया गया। इसी प्रकार मार्केट के बीच गाड़ी पार्किंग कर आवागमन बाधा कर कचरा फैलाने वालो पर भी चालानी कार्यवाही कर 600 रूपये अर्थदण्ड वसूल किया गया। मार्केट क्षेत्र में कुल 2100 रूपये की चालानी कार्यवाही कर संबंधितों को चालान की रसीद दिया गया।

आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने निगम क्षेत्र की सफाई व्यवस्था को बिगाड़ने एवं सफाई में सहयोग न करने वालो पर लगातार कार्यवाही करने के निर्देश अधिकारियों को दिये है। निगम के अधिकारी एवं कर्मचारी अलग-अलग जोन क्षेत्रों में जाकर मार्केट क्षेत्र का निरीक्षण कर रही है। बार-बार समझाइस देने के बाद भी जो दुकानदार या नागरिक भिलाई शहर की सफाई व्यवस्था में बाधा डाल रहे है और गंदगी फैला रहे है उनके पास निगम की टीम जाकर चालानी कार्यवाही कर अर्थदण्ड की वसूली कर रही है। उनको समझाते हुए कहा जा रहा है कि बार-बार गंदगी फैलाने पर अर्थदण्ड दुगनी कर दी जायेगी और उनके आस-पास सफाई नहीं की जावेगी। उनका गुमशता एवं ट्रेड लाईसेंस भी निरस्त किया जा सकता है। इसकी पुरी जिम्मेदारी दुकानदारों के स्वयं की होगी।

कार्यवाही के दौरान जोन प्रभारी स्वास्थ्य अधिकारी विरेन्द्र बंजारे, स्वच्छता निरीक्षक चुण्डमनी यादव, स्वच्छता पर्यवेक्षक सुरेश सिंह पटेल, धन बहादुर सोनी, दानिर मच्छीरके, पापाया, बिरबल बघेल, हेमू कुमार, सोनू राम आदि उपस्थित रहे।

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड, रायपुर

(छ0ग0 शासन का एक उपक्रम) (कार्यालय न.सं.उ., छ.रा.वि.मं. की उत्तरदायी कंपनी) सी.आई.एल. 40108CT2003SGC015822, पता: क्रा. नं. 5 एवं 6. पावर हाउस कालोनी, सी.एस.ई.बी. कैम्पस, गुढ़ियारी, रायपुर (छ.ग.) वेवसाईट- www.cspc.gov.in, ईमेल-eecitynorth.raipur@cseb.gov.in टेलीफोन नं- 0771-2574753

सूचना

विद्युत लाईनों / उपकरणों के रख-रखाव लाईन मरम्मत के आवश्यक कार्य हेतु निम्नांकित फीडरों/उपकेन्द्र के सम्मुख दर्शाये गये तिथि एवं समय में विद्युत आपूर्ति अवरूद्ध रहेगी जिसके समय में आवश्यकतानुसार परिवर्तन संभव हैं। असुविधा के लिये खेद हैं।

क्र.	दिनांक एवं दिन	समय	उपकेन्द्र का नाम	फीडर का नाम	प्रभावित क्षेत्र
1	07.01.2025, मंगलवार	दोपहर 12:00 बजे से दोपहर 02:00 बजे तक	33/11 KV मारूती लाईफ स्टाईल उपकेन्द्र	11 के.व्ही. फीडर-1, फीडर-2, विला फीडर	मारूती लाईफ स्टाईल एवं संबंधित अन्य क्षेत्र
			33/11 KV सिंगापुर सिटी उपकेन्द्र	11 के.व्ही. फीडर-1, फीडर-2, महोबा बाजार फीडर	सिंगापुर सिटी, महोबा बाजार एवं संबंधित अन्य क्षेत्र

स्वहित एवं राष्ट्रहित में ऊर्जा बचाइये।

उपभोक्तागण विद्युत शिकायत के लिये विद्युत शिकायत केन्द्र गुढ़ियारी-2593892, खमतराई-2576317, टाटीबंध-2574755, कबीर नगर-2574024, केन्द्रीय काल सेन्टर 1912 में संपर्क कर एवं मोर बिजली एप डाउन लोडकर बिजली संबंधित शिकायत दर्ज करा सकते हैं। जनहित में विद्युत आपूर्ति हेतु लगाये गये विद्युत लाईन के नीचे / बगल से भवन/रोड/तालाबू का निर्माण करना अवैधानिक हैं। अत: विद्युत सुरक्षा नियमों का पालन करे।

कार्यपालन अभियंता
नगर संभाग उत्तर
छ.स्टे. पॉ.डि.कं. लिमि., रायपुर

SAMVAD- 42681/ 2

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-03, सेजबहार, रायपुर
(छ.ग.)फोन नं.-0771-2991574
Email Id: eocghbzone03@gmail.com

आम-सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि **छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा कालोनी बोरियाकला,** जिला रायपुर, में स्थित दीनदयाल आवास योजनांतर्गत निर्मित **फ्लैट क्र. एल.आई.जी -675, ब्लॉक-43 भूतल श्री वरूण वाकडे पिता स्व.श्री बी.आर. वाकडे निवासी:- प्लाट नं.-04, हर्षित विहार फेस-03, मोहबा बाजार टाटीबंध रायपुर तह व जिला-रायपुर (छ.ग.)** के नाम पर इस कार्यालय के आबंटन **आदेश क्र. 9919 दिनांक** 17.09.2009 के माध्यम से स्ववित्तीय आधार पर आंबटित है। आबंटी द्वारा भवन का पूर्ण मूल्य जमा कर **दिनांक** 18.02.2010 को लीजडीड निष्पादित कराने के उपरांत पत्र **क्रमांक 628 दिनांक** 22.02.2013 को आधिपत्य आदेश जारी किया गया है। मूल आंबटी **श्री वरूण वाकडे पिता स्व.श्री बी.आर. वाकडे,** उक्त फ्लैट को विक्रय अनुमति हेतु आवेदन पत्र, विक्रय इकरारनामा की छायाप्रति एवं आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है। प्रस्तुत दस्तावेज के आधार पर उक्त फ्लैट को **क्रेता श्री तुलसी दास मरकाम पिता श्री रामचन्द्र सिंह निवासी: माझापारा, ग्राम-बरीयों बलरामपुर (छ.ग.)** के पक्ष में विक्रय हेतु अनुमति प्रदान किया जाना है।

अत: किसी भी व्यक्ति, शासकीय/अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक अथवा वित्तीय संस्था इत्यादि को उक्त भूखण्ड/भवन/फ्लैट के विक्रय करने हेतु अनुमति प्रदान करने में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में स्वयं उपस्थित होकर लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर आपत्ति प्रस्तुत करें, अन्यथा नियत समयावधि पश्चात् आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
प्रक्षेत्र-03, सेजबहार, रायपुर छ.ग.

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद समारक भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./17250/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2025
रायपुर दिनांक : 06-01-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 17250
वार्ड का नाम- 27- इंदिरा गांधी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 27 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR737D0179A** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **1. CHANDNI CHHABADIYA FATHER LATE PREMCHAND CHHABADIYA 2.BHARTI CHHABADIYA HUSBAND LATE RAMCHAND CHHABADIYA FATHER/HUSBAND.3. LAXMAN DAS CHHABADIYA FATHER BHOJRAJ CHHABADIYA 4. PRAKASH RAI CHHABADIYA FATHER LATE BHOJRAJ CHHABADIYA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O BHOJRAM CHABRIA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. श्री भोजराज हरिरामानी - पिता श्री नंदलाल हरिरामानी** पिता/पति, श्री/श्रीमती 2. **श्रीमती ज्योति हरिरामानी पति श्री भोजराज हरिरामानी** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री आर.के. डोंगरे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01, सिरपुर भवन, व्यवसायिक परिसर कबीर नगर, रायपुर
email Id- eocghbzone1@gmail.com

आम-सूचना

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा टाटीबंध कालोनी, रायपुर में निर्मित **एम.आई.जी.भूखंड** योजना अंतर्गत **क्रमांक MIG plot - 1046 श्री हरभजन सिंह पिता श्री मुख्तार सिंह पामा** को भाडाक्रय / पूर्णमूल्य आधार पर आबंटित किया गया है। आबंटी द्वारा **दिनांक 08/02/2006** को विक्रय विलेख निष्पादित कर लिया गया।

आबंटी उक्त भवन के विक्रय हेतु **दिनांक 23/12/2024** को निष्पादित विक्रय इकरारनामा की छायाप्रति प्रस्तुत कर भूखंड **श्रीमती रंजीता कौर सैनी पति - श्री दिलबाग सिंग सैनी** के नाम से विक्रय करने के लिए विक्रय अनुमति की मांग की है।

अत: किसी भी व्यक्ति शासकीय / अर्द्धशासकीय संस्था इत्यादि को उक्त भूखण्ड/भवन के विक्रय के संबंध में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आमसूचना प्रकाशन के 15 दिन के अन्दर समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त आपत्ति मान्य नही की जायेंगी।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01
कबीर नगर, रायपुर

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01, सिरपुर भवन, व्यवसायिक परिसर कबीर नगर, रायपुर
email Id- eocghbzone1@gmail.com

आम-सूचना

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा कबीर नगर कालोनी, रायपुर में निर्मित **एम.आई.जी. स्टैण्डर्ड** भवन योजना अंतर्गत क्रमांक एम.आई.जी. स्टैण्ड - **55** 1. **श्री राकेश शर्मा / पिता / पति 1.श्री कृष्ण कुमार शर्मा** 2 **दिव्या शर्मा / राकेश कुमार शर्मा** को भाडाक्रय / पूर्णमूल्य आधार पर आबंटित किया गया है। आबंटी द्वारा दिनांक ... को विक्रय विलेख निष्पादित कर लिया गया।

आबंटी उक्त भवन के विक्रय हेतु दिनांक 06/01/2025 को निष्पादित विक्रय इकरारनामा की छायाप्रति प्रस्तुत कर भूखंड **प्रमीत सिंग मान पिता श्री राजबीर सिंह मान** के नाम से विक्रय करने के लिए विक्रय अनुमति की मांग की है।

अत: किसी भी व्यक्ति शासकीय / अर्द्धशासकीय संस्था इत्यादि को उक्त भूखण्ड/भवन के विक्रय के संबंध में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आमसूचना प्रकाशन के 15 दिन के अन्दर समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त आपत्ति मान्य नही की जायेंगी।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01
कबीर नगर, रायपुर

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद समारक भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./17241/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2025
रायपुर दिनांक : 06-01-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 17241
वार्ड का नाम- 27- इंदिरा गांधी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 27 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR737E00010** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **RAJESH** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O GIRIDHARILAL KHEMANI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. श्रीमती सिमरन खेमानी - पति स्व. राजेश कुमार खेमानी** पिता/पति, श्री/श्रीमती **2. ना .बा . जतिन खेमानी ,ना .बा . काव्या खेमानी पिता - स्व. राजेश कुमार खेमानी वली मां सिमरन खेमानी** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत हक त्याग विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री आर.के. डोंगरे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बिलासपुर संभाग

रायपुर मंगलवार 07 जनवरी 2025

कलेक्टर एस जयवर्धन ने जिले की सभी योजनाओं की विभागवार जानकारी अधिकारियों से ली

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- आज समय सीमा की बैठक कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में रखी गई थी। जिसमें कलेक्टर एस. जयवर्धन ने जिले में संचालित सभी योजनाओं की विभागवार जानकारी प्राप्त की और आवश्यक निर्देश दिए। इस बैठक में डीएफ्ओ पंकज कमल, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती कमलेश नंदिनी साहू, अपर कलेक्टर श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर, श्री जगन्नाथ वर्मा, श्री नरेंद्र पैकरा, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती चांदनी कंवर, सर्व एसडीएम, तहसीलदार सहित अन्य संबंधित जिला अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टर श्री जयवर्धन ने विभागवार आवेदनो पर जानकारी प्राप्त कर, निर्धारित समय पर आवेदन के निराकरण पर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। कलेक्टर श्री जयवर्धन द्वारा समय-सीमा प्रकरणों की समीक्षा के साथ विभागीय कार्यों की समीक्षा भी की। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग अंतर्गत विभिन्न योजनाओं के प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने कार्ययोजना अनुरूप कार्य में तेजी लाने के निर्देश सम्बंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम, सिकल सेल एनीमिया, जन औषधि केंद्रों, सहित स्वास्थ्य विभाग की अन्य योजनाओं के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की। स्कूलों में शिक्षा व्यवस्था की जानकारी लेते हुए उन्होंने स्कूलों में जाति, निवास, आय प्रमाणपत्र बनवाने के स्थिति की जानकारी ली और आवश्यक निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने जिले के सभी छात्रावासों में सुविधाएं बेहतर करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं।

इस अवसर पर उन्होंने कृषि एवं संबंधित विभागों के अंतर्गत चल रही योजनाओं के संबंध में जानकारी ली और आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने केसीसी कार्ड और किसानों का बीमा करने के लिए निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने जिले में निर्माण कार्य में लगी विभागों पी डब्लू डी, जल संसाधन और पी एच ई अंतर्गत योजनाओं की समीक्षा करते हुए सभी निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं।

इसके अलावा उन्होंने पीएम स्वनिधि, सॉइल हेल्थ कार्ड, राशन कार्ड और ई केवाईसी, जल जीवन मिशन, जल शक्ति अभियान, सुरक्षित मातृत्व अभियान, चिरायु योजना, वय वंदना योजना,राशन कार्ड निर्माण की स्थिति, विश्वकर्मा योजना का जायजा लिया। उन्होंने आंगनबाड़ी की स्थिति, बच्चों में कुपोषण की स्थिति और महतारी वंदन योजना की जानकारी ली। आंगनबाड़ी केंद्रों में स्वच्छ पेय जल आपूर्ति , पोषण का स्तर और बेहतर करने के निर्देश दिए। शत प्रतिशत हितग्राहियों का आधार कार्ड और आयुष्मान कार्ड बनवाने एवं अद्यतन करवाने के निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने लंबित पेंशन प्रकरणों को शीघ्र निपटाने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश किए।

संक्षिप्त समाचार

बच्चों एवं पालकों ने पीएम श्री विद्यालय भटगांव में न्योता भोज का लूतफ़ उठाया

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-पी एम श्री विद्यालय भटगांव मे भाजपा प्रदेश मंत्री श्रीमती परमेश्वरी राजवाड़े और बीजेपी नेता कमलेश सिंह के द्वारा बच्चों के लिए न्योता भोज का आयोजन किया गया और बच्चो के लिए पोस्टिक भोजन की ब्यवस्था की गई। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों ने पी एम श्री के बच्चों के साथ स्वादिस्ट भोजन का आनंद लिया तथा इस आयोजन की सराहना किए। इस न्योता भोज मे अथितियों और बच्चो ने एक साथ बैठ कर भोजन किया। इस न्योता भोज मे बच्चों के साथ भटगांव तहसीलदार शिवनारायण राठिया, नगर पंचायत भटगांव सीएमओ राजेश कुशवाहा इंजीनियर नीतिश गुप्ता, कन्या हायर सेकंडरी विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती पुष्पा खलखो वरिष्ठ पत्रकार अफ्रोज खान, पी एम श्री विद्यालय की प्रधान पठिका कौशल्या देवी, डॉ तुलेश्वर राजवाड़े, टेम नारायण राजवाड़े, शिक्षक गायत्री मिश्रा, बाबूलाल,दीपक सोनी, विजय गुप्ता, हरकेश जायसवाल,तेज कुमार लकड़ा, अरविन्द विश्वकर्मा,सत्येंद्र गुप्ता, नेहा सिन्हा, संध्या पाटनवर, माधुरी मिंज, ललिता जायसवाल, दीपिका पैकरा , संगीता भक्त, खुशबू अंबष्ट सहित पलकों ने स्वादिस्ट भोजन का लुफ्त उठाया।

नगर पंचायत भटगांव के वार्डों का मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने किया सघन निरीक्षण

गोपाल सिंह विद्रोही

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने आज नगर पंचायत भटगांव के वार्डों में सघन भ्रमण व निरीक्षण किया। जहां उन्होंने वार्ड वासियों से मिलकर वार्ड की वस्तुस्थिति की जानकारी ली, इसके साथ ही जनहित के मामलों के शीघ्र निराकरण हेतु उपस्थित संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। वार्डों के मूलभूत सुविधाओं बिजली, पानी, साफ़ सफाई इत्यादि की व्यवस्था पुख्ता हो इस पर विशेष ध्यान देने की बात कही। उपस्थित जनों से उनकी समस्या को जाना और उनके त्वरित निराकरण करने के निर्देश संबंधितों को दिए।

सैलानियों के मन मोह लेता है पर्यटन स्थल बुका

कोरबा(विश्व परिवार)। कोरबा जिलान्तर्गत बाँगो डुबान का क्षेत्र बुका हर मौसम में सैलानियों का मन मोह लेता है। डुबान का यह क्षेत्र एक तरफ पानी से लबालब नजर आता है तो दूसरी ओर चारों तरफ हरियाली का वातावरण भी पर्यटकों को रोमांचित करने के साथ उनमें प्यार का भाव जगाता है। यहाँ आने वाले पर्यटक यहाँ के नैसर्गिक सुरम्य दृश्य को निहारने के साथ ही खुशी प्रकट कर यहाँ से लौटते समय सुनहरी यादों को जेहन में समेटकर ले जाते हैं। कोरबा जिले के कटघोरा वनमंडल अंतर्गत बुका पर्यटन स्थल अब किसी पहचान का मोहताज नहीं है। यहाँ चारों तरफ से पानी का विहंगम दृश्य है और प्राकृतिक सुंदरता देखने वालों का दिल जीत लेता है। मौसम चाहे कोई भी हो यहाँ पानी हर मौसम में लबालब होता है। कोरबा शहर से लगभग 60 किलोमीटर दूर बुका तक पहुचने के लिए पक्की सड़क है। यहां वन विभाग द्वारा पर्यटकों की सुविधाओं को ध्यान रखकर अनेक व्यवस्थाएं भी की गई है। बुका में बाहर से आने वाले पर्यटक स्टीमर से पानी के विहंगम दृश्य को और भी करीब से देख सकते हैं। यहां कोरबा शहर से ही नहीं अपितु बिलासपुर, अम्बिकापुर, जांजगीर-चांपा जिले सहित आसपास के अन्य जिलों से भी पर्यटक पहुँचते हैं। यहां बिलासपुर से आये रोशन कुमार ने बताया कि ठंडी के बीच हल्की धूप में आसपास पानी और हरियाली देख का मन प्रफुल्लित हो गया। वास्तव में ऐसे एकांत जगह पर आना शांति और सुकून का अहसास कराता है। मन को शांति मिलती है। दीपका क्षेत्र से सपरिवार आये बृजमोहन सिंह और दिनेश कुमार का कहना है कि बुका के बारे में बहुत सुना था आज इसे करीब से देखने आए हैं। सचमुच बहुत खूबसूरत नजारा है। दिनेश कुमार ने बताया कि एक बार वह बारिश के मौसम में यहाँ आया था।

मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन के उपरांत ली गई राजनैतिक दलों की बैठक

सूरजपुर ब्यूरो(दैनिक विश्व परिवार)- भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली के निर्देशानुसार विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम अर्हता तिथि 01 जनवरी के संदर्भ में 06 जनवरी, 2025 (सोमवार) को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन सूरजपुर जिले के तीनों विधानसभा क्षेत्र क्रमश: 04 प्रेमनगर, 05 भटगांव एवं 06 प्रतापपुर में किये जाने के उपरांत कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी, जिला-सूरजपुर के निर्देशन में श्री नरेन्द्र पैकरा, उप जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा सर्व मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों की बैठक ली गई। उप जिला निर्वाचन अधिकारी, जिला-सूरजपुर द्वारा बताया गया कि विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण हेतु दिनांक 29 अक्टूबर 2024 को मतदाता सूची का प्रारंभिक प्रकाशन किये जाने के उपरांत दिनांक 29 अक्टूबर 2024 से 28 नवम्बर, 2024 तक जिले के सभी मतदान केन्द्रों में दावा/आपत्ति प्राप्त किया गया था। पुनरीक्षण अवधि के दौरान सूरजपुर जिले में कुल 15087 नये मतदाताओं का नाम जोड़े जाने, 3145 मृत / स्थानांतरित मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से विलोपित किये जाने हेतु तथा 3986 मतदाताओं का संशोधन किये जाने हेतु आवेदन प्राप्त हुये थे। जिसका निराकरण तीनों विधानसभा क्षेत्र के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा किया गया। प्राप्त दावा/आपत्ति के निराकरण के उपरांत दिनांक 06 जनवरी, 2025 के अंतिम प्रकाशित मतदाता सूची में विधानसभा क्षेत्र 04 प्रेमनगर में कुल 248085 मतदाता, विधानसभा क्षेत्र 05 भटगांव में कुल 247878 मतदाता तथा विधानसभा क्षेत्र 06 प्रतापपुर में कुल 239687 मतदाता दर्ज है। राजनैतिक दलों की बैठक में भारतीय जनता पार्टी से किशन देवांगन एवं कम्यूनिष्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सवादी) से सुरेन्द्र लाल नेटी एवं जिला निर्वाचन कार्यालय के कर्मचारी उपस्थित रहे।

बजरंगबलि की प्रतिमा खंडित करने के मामले में आरोपी जेल दाखिल

कोरबा(विश्व परिवार)। मानिकपुर चैकी अंतर्गत रामनगर बस्ती में धार्मिक हिंसा को भडकाने वाला एक मामला सामने आया है। बस्ती में मौजूद हनुमान मंदिर से बजरंग बलि की प्रतिमा की चोरी कर उसे खंडित कर नाली में फेंक दिया। इस घटना के बाद क्षेत्र के लोग काफी आक्रोशित है। लोगों ने पुलिस को मामले से अवगत कराया है। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने जांच शुरु की और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। कोर्ट में पेश करने के बाद उसे जेल भेज दिया गया है। लोगों का आरोप है,कि बस्ती में शरारति तत्वों के कारण लोगों का जीना हराम हो गया है। नगर निगम के वार्ड नंबर 27 रामनगर में रहने वाले लोगों का इन दिनों जीना हराम हो गया है। क्षेत्र में रहने वाले असमाजिक तत्वों की सक्रियता काफी बढ़ गई है,जिससे लोग काफी परेशान है। हद तो तब हो गई जब बस्ती में मौजूद हनुमान मंदिर से बजरंग बलि की प्रतिमा चोरी कर उसे खंडित कर नाली में फेंक दिया गया है। इस घटना के बाद क्षेत्र में रहने वाले हिंदू धर्म के लोग काफी आक्राशित हो गए। उन्होंने तत्काल मानिकपुर पुलिस चैकी में शिकायत दर्ज कराई। क्षेत्र में रहने वाले लोगों ने बताया,कि उनके ईलाके में असमाजिक तत्व काफी हावी हो गए है। सामनों में तोड़ फोड़ करने के साथ ही उनके द्वारा अनैतिक घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा है,जिससे वे काफी परेशान हो गए है। लोगों की शिकायत मिलते ही मानिकपुर चैकी की पुलिस हरकत में आई और जांच शुरु की जांच के दौरान पता चना,कि अजय भारती नामक युवक द्वारा घटना को अंजाम दिया गया है,जिसे तत्काल हिरासत में लिया गया। पूछताछ के दौरान उसने अपना अपराध कुबूल कर लिया। कोर्ट में पेश करने के बाद उसे जेल दाखिल कर दिया गया है। धार्मिक हिंसा भडकाने के मामले में शिकात मिलने के बाद ही जिस तरह से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया,उससे बस्ती के लोगों ने राहत की सांस ली है।

जिला पंचायत में अधिकारियों कर्मचारियों ने श्रमदान कर स्वच्छता का दिया संदेश

जशपुर(विश्व परिवार)। कलेक्टर श्री रोहित व्यास के निर्देशन एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अभिषेक कुमार के मार्गदर्शन में सुध्घर ऑफिस अभियान के अन्तर्गत जिला पंचायत परिसर में स्वच्छता श्रमदान कर स्वच्छता का संदेश दिया गया। जिसमें जिला पंचायत के समस्त अधिकारीयों एवं कर्मचारीयों के द्वारा परिसर के चारो ओर, ऑफिस के अंदर, समस्त गार्डन तथा पार्किंग स्थल का श्रमदान से साफ सफाई किया गया। जिला स्तरीय सुध्घर ऑफिस प्रतियोगिता में स्थान पाने के लिये जिला पंचायत के अधिकारीयों एवं कर्मचारियों के द्वारा तन मन धन से प्रयास किया जा रहा है जिसमें मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अभिषेक कुमार के द्वारा कर्मचारियों को नियमित प्रोत्साहित किया जा रहा है।

हेलमेट पहनने से सड़क दुर्घटना में बची आरक्षक की जान, एसएसपी सूरजपुर ने किया जवान को पुरस्कृत

सूरजपुर ब्यूरो(दैनिक विश्व परिवार)- एसएसपी श्री प्रशांत कुमार ठाकुर के निर्देश पर राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह में जिलेवासियों को ट्रैफिक नियमों के प्रति जागरूक किया जा रहा है और अनिवार्य रूप से बाईक चलाते समय हेलमेट पहनने हेतु प्रोत्साहित करने के साथ ही ट्रैफिक नियमों के उल्लघंन पर कार्यवाही भी जिले के थाना-चौकी पुलिस के द्वारा की जा रही है। यह अभियान उस वक्त सार्थक साबित हुआ जब सोमवार, 06 जनवरी 2025 की सुबह ड्यूटी जाने के दौरान हाईवे पर घटित सड़क दुर्घटना में हेलमेट पहने स्कूटी चालक पुलिस आरक्षक की जान बच गई।

एसएसपी सूरजपुर के निर्देश पर जिले की पुलिस लगातार सजगता से वाहन चेकिंग कर रही है वहीं बाईक चालकों को स्वयं की सुरक्षा के लिए हेलमेट पहनने के लिए प्रोत्साहित भी कर रही है साथ ही पुलिस के सभी अधिकारी व जवानों को हेलमेट पहनने और यातायात नियमों का पालन करने के सख्त निर्देश है। इसी दौरान सोमवार की सुबह थाना विश्रामपुर में पदस्थ आरक्षक जयजीत टोप्पो सतपता क्वार्टर से स्कूटी से ड्यूटी के लिए थाना विश्रामपुर जा रहा था और हेलमेट पहना हुआ था उसी दौरान एनएच पर थाना के समीप विश्रामपुर से सूरजपुर की ओर जा रहे बुलेट की तेज टक्कर लगने से स्कूटी सवार आरक्षक गिर गया। हेलमेट पहने होने के कारण उसके सिर में चोट नहीं लगी और वह गंभीर हादसे से बच गया।

एसएसपी सूरजपुर ने किया जवान को पुरस्कृत- वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरजपुर ने बताया कि आरक्षक जयजीत टोप्पो जो नियमित रूप से आने-जाने के दौरान हेलमेट का उपयोग करता है, उसी हेलमेट ने उसकी जान बचाई। हल्का चेटिल होने के बावजूद भी वह अपने कर्तव्य पर उपस्थित होकर ड्यूटी कर रहा है। कर्तव्य के प्रति निष्ठा और हेलमेट धारण करने वाले जवान को नगद पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया है।

एसएसपी ने सड़क दुर्घटना रोकने पुलिस अधिकारियों का ब्लैक स्पोर्ट का दौरा किया

यातायात उल्लघंन पर सख्त कार्यवाही का दिया निर्देश

गोपाल सिंह विद्रोही

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- दुर्घटनाजनित स्थानों पर सुरक्षात्मक उपाए कराने, यातायात नियमों के बारे में गुणवत्तापूर्वक लोगों को जागरूक करने, ट्रैफिक नियमों के उल्लघंन पर सख्त कार्यवाही तथा सूखा नशा और अवैध कार्यो पर प्रभावी रोक लगाने को लेकर आज वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार ठाकुर ने थाना-चौकी प्रभारियों की बैठक ली।

एसएसपी सूरजपुर प्रशांत कुमार ठाकुर ने थाना प्रभारियों से लंबित मामलों की जानकारी ली और निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने थाना-चौकी प्रभारियों को कहा कि एनएच, पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों के साथ दुर्घटनाजनित क्षेत्रों का दौरा कर सड़क हादसों को रोकने की रणनीति और सुरक्षात्मक उपाए कराए, जिन स्थानों पर ज्यादा एक्सीडेंट हो रहे है उन्हें ब्लैक स्पोर्ट चिन्हित करें, ओव्हर स्पीडिंग के मामले पर कड़ाई से कार्यवाही करने, व्यस्तम सड़के, प्रमुख स्थानों, ब्लैक स्पोर्ट, चौक चौराहों पर रहने अथवा दुकानदारी करने वालों को सड़क हादसों में घायलों की मदद कर गुड सेमेरिटन बनने हेतु प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हादसों में घायलों की मदद करने वाले गुड सेमेरिटन की जानकारी उपलब्ध कराए ताकि उन्हें पुरस्कृत किया जा सके। सूखा नशा और अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए पूरी तरह से मुस्तैदी से कार्य करने, शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर सख्त रूख अपनाने और यातायात नियमों के उल्लघंन पर समझाईश देने के साथ कार्यवाही करने, नागरिकों को हेलमेट पहनने को लेकर जागरूक करें। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो, सीएसपी एस.एस.पैंकरा, एसडीओपी सूरजपुर नंदिनी ठाकुर, एसडीओपी ओड़गी राजेश जोशी, एसडीओपी प्रेमनगर नरेन्द्र सिंह पुजारी, डीएसपी रितेश चौधरी, जिले के सभी थाना-चौकी प्रभारी व जिला पुलिस कार्यालय के अधिकारीगण मौजूद रहे।

संपादकीय

नेताओं की बढ़ती संपत्ति से गरीबी का उपहास

योगेंद्र योगी

राज्यों में चाहे किसी भी दल की सरकारें हों, हर पार्टी सत्ता में आने के बाद यही दावा करती है कि भ्रष्टाचार को जड़मूल से मिटाया जाएगा। सत्ता में आते ही यह वादा हवा हो जाता है। जब कभी कोई भ्रष्ट कार्मिक पकड़ा जाता है, तब सरकार यही दावा करती है कि किसी भ्रष्टाचारी को बख्शा नहीं जाएगा, किंतु यह दावा कभी नहीं करती कि जिस विभाग का आरोपी पकड़ा गया है, वह विभाग अब पूरी तरह से भ्रष्टाचार से मुक्त हो चुका है। देश में भ्रष्टाचार, गरीबी और भुखमरी के बीच नेताओं की बढ़ती हुई संपत्ति में बेशक सीधा कोई संबंध न हो किंतु सवाल तो उठना लाजिमी है भारत में 12.9 करोड़ लोगों को एक वक्त का खाना भी ठीक तरह से मयस्सर नहीं होता और नेताओं की सुरसा के मुंह की तरह बढ़ती संपत्ति इनकी गरीबी का उपहास उड़ा रही है। इस पर भी तुर्रा यह है कि देश के नेता आम जनता के लिए काम करते हैं। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चन्द्रबाबू नायडू देश के सबसे अमीर मुख्यमंत्री हैं। उनके पास 931 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति है। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू दूसरे नंबर पर हैं। उनके पास 332 करोड़ रुपए से अधिक की कुल संपत्ति है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया तीसरे नंबर पर हैं। उनके पास 51 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति है। यह खुलासा एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की एक रिपोर्ट में किया गया है। देश के 31 मुख्यमंत्रियों की कुल संपत्ति 1, 630 करोड़ रुपए है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि प्रति मुख्यमंत्री की औसत संपत्ति 52.59 करोड़ रुपए है। भारत की प्रति व्यक्ति शुद्ध राष्ट्रीय आय या एनएनआई 2023-2024 के लिए लगभग 1,85,854 रुपए थी, जबकि एक मुख्यमंत्री की औसत स्व.आय 13,64,310 रुपए है, जो भारत की औसत प्रति व्यक्ति आय का लगभग 7.3 गुना है। वहीं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सिर्फ 15 लाख रुपए की संपत्ति के साथ सबसे कम संपत्ति वाली मुख्यमंत्री हैं। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला 55 लाख रुपए की संपत्ति के साथ सूची में दूसरे सबसे गरीब मुख्यमंत्री हैं। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन 1.18 करोड़ रुपए की संपत्ति के साथ तीसरे सबसे कम संपत्ति वाले मुख्यमंत्री हैं। मुख्यमंत्रियों की इस संपत्ति का खुलासा चुनाव आयोग में दिए गए संपत्ति के ब्योरे से हुआ है। गौरतलब है कि चुनाव आयोग के पास ऐसा कोई तरीका नहीं है, जिससे यह पता लगाया जा सके कि जो जानकारी दी है, वह सही या कुछ छिपाया गया है। दरअसल देश के नेता चुनाव आयोग को वही जानकारी देते हैं, जिसे वे आयकर रिर्टन में भरते हैं। देश में आयकर रिटर्न भरने वाले भी आयकर और प्रवर्तन निदेशालय के जाल में फंसते रहे हैं। सिर्फरिटर्न फाइल कर लेने मात्र से किसी की संपत्ति या आय दूध की धुली नहीं हो जाती। यदि ऐसा ही होता तो देश के सैकड़ों नेता ईडी, सीबीआई और आयकर के लपेटे में नहीं आते। हालांकि इनके जाल में फंसने के बाद नेता यही राग अलापते रहे हैं कि विपक्ष में होने के कारण उन्हें जानबूझ कर फंसाया गया है। विपक्षी दलों के दिग्गज नेताओं पर भ्रष्टाचार के आरोपों के कारण केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा और उसके सहयोगी दलों पर भी सवाल उठते रहे हैं। सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या सत्तारूढ़ भाजपा और उसके सहयोगियों में सभी ईमानदार हैं। चन्द्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार के समर्थन से बहुमत में केंद्र की भाजपा सरकार में क्या इतना साहस है कि इनके दलों के नेताओं के खिलाफ भ्रष्टाचार को लेकर कोई कार्रवाई कर सके। क्या यह संभव है कि इन दोनों दलों के नेताओं के भ्रष्टाचार की जानकारी केंद्रीय जांच एजेंसियों को नहीं हो। यही वजह है कि जांच एजेंसियों पर दुर्भावना से कार्रवाई करने के आरोप लगते रहे हैं। विपक्षी दलों का यह भी आरोप है कि जिन विपक्षी नेताओं ने भाजपा का दामन थाम लिया, उनके मामले रफा-दफा कर दिए गए। 2014 से 2022 तक ईडी के निशाने पर रहे करीब 95 फीसदी यानी 115 नेता विपक्ष से थे। हालांकि ये आंकड़े 2022 तक के ही हैं। इसके बाद 2023 में पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव हुए थे और इस दौरान विपक्षी दलों ने अलग-अलग राज्यों पर हुई ईडी, सीबीआई की छापेमारी को राजनीति से प्रेरित बताया था। वर्ष 2004-14 में 26 नेताओं से ईडी ने पूछताछ की थी। इनमें करीब 54 फीसदी यानी 14 नेता विपक्ष से थे। यह संभव है कि मुख्यमंत्रियों और दूसरे नेताओं ने संपत्ति व्यवसायों के जरिए अर्जित की हो या फिर पुश्तैनी हो। इसके बावजूद इतनी भारी संपत्ति होना देश में गरीबी की जीवन रेखा से नीचे रहने वालों के मुंह तो चिढ़ाती है। जबकि नेता आम लोगों के प्रतिनिधित्व का दावा करते हैं। वर्ष 2023 बहुआयामी गरीबी सूचकांक रिपोर्ट में पाया गया है कि दुनिया के सभी गरीब लोगों में से एक तिहाई से अधिक दक्षिण एशिया में रहते हैं, जो लगभग 12.9 करोड़ लोग हैं। भारत इस संख्या में महत्त्वपूर्ण योगदान देता है, जो अत्यधिक गरीबी में लगभग 70 प्रतिशत की वृद्धि के लिए जिम्मेदार है। विश्व बैंक अंतरराष्ट्रीय गरीबी रेखा के आधार पर गरीबी को परिभाषित करता है, जिसके अनुसार प्रति व्यक्ति प्रति दिन 2.15 डॉलर की दर से अत्यधिक गरीबी तय की जाती है, जबकि 3.65 डॉलर निम्न-मध्यम आय श्रेणी में आता है तथा 6.85 डॉलर उच्च-मध्यम आय श्रेणी में वर्गीकृत किया जाता है। वैश्विक निर्धारित गरीबी रेखा 3.65 डॉलर प्रति व्यक्ति है। भारत का योगदान वैश्विक गरीबी दर में मामूली वृद्धि के 40 प्रतिशत के बराबर है, जो 23.6 प्रतिशत से बढ़कर 24.1 प्रतिशत हो गई है। भारत में गरीबी दर मिटाने के मामले में केरल सबसे आगे है। केरल में सिर्फ 0.71 प्रतिशत आबादी गरीब है। वहीं, बिहार, झारखंड और उत्तर प्रदेश में गरीबी दर सबसे ज्यादा है। बिहार में 51.91 प्रतिशत, झारखंड में 42.16 प्रतिशत और उत्तर प्रदेश में 37.79 प्रतिशत आबादी गरीबी में रहती है। ग्लोबल हंगर इंडेक्स 2024 के मुताबिक, भारत को 127 देशों में 105वां स्थान मिला। भारत अपने पड़ोसी देशों श्रीलंका, नेपाल, म्यांमार और बांग्लादेश से भी पीछे है। भारत में भुखमरी की वजह से अकसर मौत भी हो जाती है। भुखमरी के कारण बच्चों और वयस्कों में कुपोषण, बौनापन और दुर्बलता हो सकती है। भुखमरी सिर्फभोजन तक सीमित नहीं है, यह सरकार की जरूरतमंद लोगों की मदद करने में विफलता को दर्शाता है। भारत में भुखमरी की समस्या मुख्य रूप से बिहार, मध्य प्रदेश, असम, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में है। इन राज्यों में से बिहार और उत्तर प्रदेश में भारत की कुल भूखी आबादी का एक तिहाई हिस्सा है। भारत में भ्रष्टाचार का आलम यह है कि देश का एक भी राज्य ऐसा नहीं है, जिसके विभाग को सौ प्रतिशत भ्रष्टाचार से मुक्त कहा जा सकता है। राज्यों में चाहे किसी भी दल की सरकारें हों, हर पार्टी सत्ता में आने के बाद यही दावा करती है कि भ्रष्टाचार को जड़मूल से मिटाया जाएगा। सत्ता में आते ही यह वादा हवा हो जाता है। जब कभी कोई भ्रष्ट कार्मिक पकड़ा जाता है, तब सरकार यही दावा करती है कि किसी भ्रष्टाचारी को बख्शा नहीं जाएगा, किंतु यह दावा कभी नहीं करती कि जिस विभाग का आरोपी पकड़ा गया है, वह विभाग अब पूरी तरह से भ्रष्टाचार से मुक्त हो चुका है। देश में भ्रष्टाचार, गरीबी और भुखमरी के बीच नेताओं की बढ़ती हुई संपत्ति में बेशक सीधा कोई संबंध न हो किंतु सवाल तो उठना लाजिमी है। यक्ष प्रश्न यही है कि करोड़ों की आबादी के पास दो वक्त का खाना नहीं है तो नेताओं की संपत्ति आखिर कैसे बढ़ रही है। ऐसे नेताओं की भी कमी नहीं है।

जिनकी आर्थिक हैसीयत राजनीति में आने से पहले आम लोगों जैसी थी, किंतु जनप्रतिनिधी और मंत्री बनते ही उनकी संपत्ति में उछाल आ गया। देश में जब तक गरीबी, बेरोजगारी और भुखमरी जैसी समस्याएं रहेंगी, तब तक नेताओं की संपत्ति देशहित के दावों की धज्जियां उड़ाती रहेगी।

निर्वाचन आयोग बिल्कुल बेफिक्र

अपने ताजा कदम से आयोग ने यही पैगाम दिया है कि जिसे जो सोचना हो, सोचता रहे- उसे उसकी कोई परवाह नहीं है। जाहिर है, जिस रेफरी को अपनी निष्पक्ष छवि की परवाह हो, वह ऐसा नजरिया नहीं अपना सकता। भारतीय निर्वाचन आयोग की साख पर पहले से कई सवाल हैं, जिन्हें वह सिरे से नजरअंदाज करता आया है। अब उसके एक ताजा कदम से ये सवाल और गहरे होंगे। इस कदम से आयोग ने यही पैगाम दिया है कि जिसे जो सोचना हो, सोचता रहे- उसे उसकी कोई परवाह नहीं है। जाहिर है, जिस रेफरी को अपनी निष्पक्ष छवि की परवाह हो, वह ऐसा नजरिया नहीं अपना सकता। अब आयोग से यह भी पूछा जाएगा कि वह अपने विवेक से ऐसे निर्णय लेता है, इसके लिए उस पर कोई दबाव है? आखिरकार ऐसे प्रश्नों के साथ भारत में चुनावों की विश्वसनीयता और लोकतंत्र का भविष्य जुड़ा हुआ है। ताजा मामले में आयोग ने एक नियम को बदल डाला है। नियम यह था कि अदालत ने अगर आदेश दिया, तो आयोग सार्वजनिक निरीक्षण के लिए अपने पास मौजूद सारे दस्तावेज संबंधित याचिकाकर्ता को देगा। इनमें वीडियो फुटेज भी शामिल हैं। अधिवक्ता महमूद प्राचा ने इसी नियम का सहारा लिया। उन्होंने पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट में हरियाणा विधानसभा चुनाव से संबंधित वीडियो फुटेज सहित सभी दस्तावेजों की मांग की। हाई कोर्ट ने उनकी गुजारिश मान ली और निर्वाचन आयोग को इन सबको उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। इसके बाद आनन-फानन में आयोग ने वो नियम ही बदल डाला। अब प्रावधान किया गया है कि दस्तावेज के तहत वीडियो फुटेज शामिल नहीं होंगे। कारण यह बताया गया कि मूल नियम में ऐसा प्रावधान नहीं था। इस परिवर्तन के पहले राजनीतिक दलों से कोई राय-मशविरा नहीं किया गया। इसलिए विपक्ष के इस आरोप में दम है कि नियम में बदलाव परदादारी के लिए किया गया है। हरियाणा विधानसभा चुनाव के संचालन में- खासकर ईवीएम को लेकर कांग्रेस ने कई गंभीर इल्जाम लगाए थे। वे आरोप सही थे या नहीं, ये बिल्कुल अलग मुद्दा है। मगर कोर्ट का आदेश आने के बाद संबंधित नियम में परिवर्तन ऐसा मामला है, जिससे शक पैदा होना लाजिमी है। चुनावों पर शक और सवालों का घेरा कसता जाए, यह पूरी तरह अवांछित है।

आलेख

भारत में कुम्भ मेले की जड़ें सहस्त्राब्दियों वर्ष पुरानी....

अशोक प्रवृद्ध

ऐतिहासिक विवरणियों के अनुसार भारत में कुम्भ मेले की जड़ें सहस्त्राब्दियों वर्ष पुरानी हैं, जिसका प्रारंभिक उल्लेख वैदिक, पौराणिक ग्रंथों तथा चौथी शताब्दी ईसा पूर्व से छठी शताब्दी ईस्वी में भारत के शासक रहे मौर्य और गुप्त काल के दौरान मिलता है। तीर्थराज प्रयाग पवित्र स्थलों में सबसे ऊपर माना जाता है। पवित्रता के प्रतीक के रूप में मान्यता प्राप्त गंगा नदी को पुण्यदायिनी कहा जाता है। पुण्य व धार्मिकता की दाता गंगा भक्ति की प्रतीकात्मक यमुना नदी से मिलती है, जिनसे अदृश्य स्वरूपिनी ज्ञान की प्रतीक सरस्वती मिलती है। भारत में पवित्र नदियों के किनारे अवस्थित चार स्थानों ङ्क हरिद्वार, उज्जैन, नासिक और प्रयागराज में कुम्भ (कुंभ) मेला का पवित्र आयोजन सदियों से होता रहा है। खगोलीय गणनानुसार यह मेला मकर संक्रान्ति के दिन प्रारंभ होता है, जब सूर्य और चंद्रमा वृश्चिक राशि में और वृहस्पति, मेष राशि में प्रवेश करते हैं। यह समय आंतरिक रूप से आध्यात्मिक स्वच्छता और आत्मज्ञान के लिए शुभ अवधि का संकेत माना जाता है। हरिद्वार, उज्जैन, नासिक और प्रयागराज में से प्रत्येक स्थान पर प्रत्येक 12 वें वर्ष तथा प्रयाग में दो कुम्भ पर्वों के बीच छह वर्ष के अंतराल में अर्द्धकुम्भ का आयोजन भी होता है। भारतीय संस्कृति में प्रयागराज में अवस्थित गंगा, यमुना और पौराणिक गुप्त सरस्वती के संगम स्थल को अत्यंत पवित्र, धार्मिक व आध्यात्मिक महत्व का प्रतीक माना जाता रहा है। कुम्भ मेले के अवसर पर इस संगम स्थल में आयोजित होने वाले कुम्भ पर्व में करोड़ों श्रद्धालु एकत्र होते हैं और नदी में स्नान करते हैं, धार्मिक आयोजनों व आध्यात्मिक प्रवचनों में भाग लेते हैं। वर्ष 2013 का कुम्भ प्रयाग में हुआ था। फिर 2019 में प्रयाग में अर्द्धकुम्भ मेले का आयोजन हुआ था। अब 13 जनवरी से 26 फरवरी 2025 तक प्रयाग में महाकुम्भ का आयोजन होगा। इसके लिए प्रशासनिक स्तर पर व्यापक तैयारी की गई है। ऐतिहासिक विवरणियों के अनुसार भारत में कुम्भ मेले की जड़ें सहस्त्राब्दियों वर्ष पुरानी हैं, जिसका प्रारंभिक उल्लेख वैदिक, पौराणिक ग्रंथों तथा चौथी शताब्दी ईसा पूर्व से छठी शताब्दी ईस्वी में भारत के शासक रहे मौर्य और गुप्त काल के दौरान मिलता है। इसमें पूरे भारतीय उपमहाद्वीप से तीर्थयात्री आते थे। गुप्तकाल के शासकों ने प्रतिष्ठित धार्मिक मंडली के रूप में इसकी स्थिति को और अधिक महत्व प्रदान किया। मध्य काल में कुम्भ मेले को विभिन्न शाही राजवंशों से संरक्षण प्राप्त हुआ, जिनमें दक्षिण में चोल और विजयनगर साम्राज्य, उत्तर में दिल्ली सल्तनत, राजपूत व मुगल मुगल शासकों का संरक्षण मिला। कहा जाता है कि अकबर ने भी धार्मिक सहिष्णुता की भावना को दर्शाते हुए कुम्भ समारोहों में भाग लिया था। ब्रिटिश प्रशासकों ने इस उत्सव को देखकर इसके विशाल पैमाने और इसमें आने वाले लोगों के विविध सभाओं में भाग लेने वाले श्रद्धालुओं वृहत संख्या को देख आश्चर्यचकित होकर इसका दस्तावेजीकरण किया। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद आवागमन के साधनों के विकसित होने से महाकुम्भ मेले को और भी अधिक महत्व प्राप्त हुआ, जो राष्ट्रीय एकता और भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है। यूनेस्को द्वारा 2017 में कुम्भ को मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के रूप में मान्यता प्राप्त है। कुम्भ का शाब्दिक अर्थ घड़ा, सुराही, बर्तन है। पौराणिक ग्रंथों में इसका वर्णन जल अथवा अमरता अर्थात अमृत के लिए किया गया है। मेला शब्द का अर्थ है- किसी एक स्थान पर मिलना, एक साथ चलना, सभा में अथवा फिर विशेष रूप से सामुदायिक उत्सव में उपस्थित होना। इस प्रकार, कुम्भ मेले का अर्थ है -अमरत्व का मेला। ज्योतिष व खगोलीय गणनाओं के अनुसार कुम्भ मेला मकर संक्रान्ति के दिन प्रारंभ होता है, जब सूर्य और चन्द्रमा, वृश्चिक राशि में और वृहस्पति, मेष राशि में प्रवेश करते हैं। मकर संक्रान्ति के होने वाले इस योग को कुम्भ स्नानयोग कहते हैं और इस दिन को विशेष मंगलकारी माना जाता है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन पृथ्वी से उच्च लोकों के द्वार खुलते हैं और इस प्रकार इस दिन स्नान करने से आत्मा को उच्च लोकों की प्राप्ति सहजता से हो जाती है। यहाँ स्नान करना साक्षात स्वर्ग दर्शन माना जाता है।

भारत की राजनीति को भाई-भतीजावाद से मुक्ति कैसे

अजीत द्विवेदी

नए साल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक प्रमुख लक्ष्य राजनीति को परिवारवाद से मुक्ति दिलाने का होना चाहिए। उन्होंने बड़ी प्रतिबद्धता के साथ यह लक्ष्य तय किया है। परंतु मुश्किल यह है कि राजनीति की ऊपर से नीचे तक सफाई करने और राजनेताओं के ऊपर लंबित मुकदमों को प्राथमिकता के साथ निपटा कर राजनीति को अपराध मुक्त करने का लक्ष्य भी उन्होंने इतनी ही प्रतिबद्धता के साथ तय किया था। बनाने के मामले में अव्वल नहीं है तो किसी से पीछे भी नहीं है। तभी राजनीति को परिवारवाद से मुक्त करने की उनकी प्रतिबद्धता को लेकर भी सवाल उठते हैं और ऐसा लगता है कि भाई-भतीजावाद से भारतीय राजनीति को मुक्ति दिलाने से उनका मतलब सिर्फ नेहरू गांधी परिवार या उनके साथ राजनीतिक गठजोड़ करने वाले कुछ अन्य परिवारों को राजनीति में हाशिए पर ले जाना या उनको चुनाव हराना है। इसके बावजूद अगर नए साल के दूसरे दिन हम इस सवाल पर चर्चा कर रहे हैं कि भारत की राजनीति को भाई-भतीजावाद से मुक्ति कैसे मिलेगी तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के घोषित लक्ष्य के साथ साथ इसका एक दूसरा कारण यह है कि सुप्रीम कोर्ट के नए चीफ जस्टिस संजीव खन्ना ने भारत की शीर्ष न्यायपालिका को परिवारवाद से मुक्ति दिलाने की योजना बनाई है। हालांकि अभी तक इस बारे में आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है लेकिन जो खबर आई है उसके मुताबिक चीफ जस्टिस संजीव खन्ना ने कहा है कि हाई कोर्ट्स और सुप्रीम कोर्ट में ऐसे लोगों को जज नहीं बनाया जाएगा, जिनके परिवार के लोग जज रहे होंगे। बताया जा रहा है कि उन्होंने हाई कोर्ट्स की कॉलेजियम को निर्देश भेजा है कि वे ऐसे वकीलों के नाम जज के लिए नहीं भेजें, जिनके परिवार के लोग जज रहे हों। उन्होंने यह भी कहा है कि पहली पीढ़ी के वकीलों में जो अच्छा कर रहे हों उनके नाम की सिफारिश की जाए। इसका मतलब है कि उच्च अदालतों की कॉलेजियम से हाई कोर्ट में जज बनने के लिए पहली पीढ़ी के वकीलों या निचली अदालत के पहली पीढ़ी के जजों के नाम की ही सिफारिश की जाएगी। जब चीफ जस्टिस ने उच्च अदालतों की कॉलेजियम को यह निर्देश दिया है तो निश्चित रूप से सुप्रीम कोर्ट की कॉलेजियम भी इस सिद्धांत पर काम करेगी और पहली पीढ़ी के वकीलों या उच्च अदालतों के पहली पीढ़ी के जजों के नाम की सिफारिश ही सुप्रीम कोर्ट के जज के लिए करेगी। यह बहुत बेहतरीन और न्यायपालिका की शुचिता और उसके गौरवशाली भविष्य के प्रति आश्वस्ति दिलाने वाली पहल है। इसके बारे में जानना इसलिए भी बहुत सुखद अनुभूति देने वाला है क्योंकि चीफ जस्टिस संजीव खन्ना खुद ही ऐसे परिवार से आते हैं, जिस परिवार के लोग हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में जज रहे हैं। चीफ जस्टिस संजीव खन्ना के पिता जस्टिस देवराज खन्ना दिल्ली हाई कोर्ट में जज थे और उनके चाचा जस्टिस हंसराज खन्ना सुप्रीम कोर्ट में जज थे। जस्टिस हंसराज खन्ना अपने जीवन काल में ही लीजेंड बन गए थे। उन्होंने इमरजेंसी के समय एडीएम जबलपुर केस में यह फैसला लिखा था कि कोई भी सरकार या कोई भी कानून किसी व्यक्ति से सम्मान से जीने का अधिकार नहीं छीन सकता है क्योंकि यह अधिकार व्यक्ति को किसी संविधान ने नहीं दिया है, बल्कि संविधान की व्यवस्था के पहले से व्यक्ति इस अधिकार के साथ पैदा होता है। पांच जजों की बेंच में वे अकेले जज थे, जिन्होंने यह फैसला लिखा था और इसकी कीमत उन्हें चीफ जस्टिस की कुर्सी से महरूम होकर चुकानी पड़ी थी। फैसले से नाराज इंदिरा गांधी ने वरिष्ठता में नंबर दो जज हंसराज खन्ना की बजाय चौथे नंबर के जज एमएच बेग को चीफ जस्टिस बनाया और विरोध में जस्टिस खन्ना ने इस्तीफा दे दिया था। सो, इसे प्रकृति का न्याय कह सकते हैं कि जस्टिस हंसराज खन्ना के भतीजे संजीव खन्ना देश के चीफ जस्टिस बने हैं और उन्होंने यह पहल की है कि जजों के परिजनों के नाम की सिफारिश जजशिप के लिए नहीं की जाएगी। उन्होंने एक दूसरी पहल भी है कि और वह भी बहुत शानदार है। बताया जा रहा है कि उन्होंने तय किया है कि हाई कोर्ट्स या सुप्रीम कोर्ट में जज के लिए किसी के नाम की सिफारिश करने से पहले कॉलेजियम उससे मिलेंगे और बात करेंगे। जिसे जज बनाया जाना है उससे मिलना और उसके विचारों को समझने का प्रयास करना एक बेहद जरूरी पहल है, जो चीफ जस्टिस संजीव खन्ना करते दिख रहे हैं। ध्यान रहे पिछले कुछ समय से देश की उच्च न्यायपालिका की इस बात के लिए आलोचना होती रही है कि जजों की नियुक्ति और तबादले के लिए कॉलेजियम की व्यवस्था इसलिए बनाए रखी गई है ताकि जजों के बच्चों को जज बनाया जा सके। नरेंद्र मोदी सरकार के पहले कार्यकाल में लाए गए राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग के गठन के कानून को अदालत द्वारा खारिज किए जाने को इसी नजरिए से देखा जाता है। इस धारणा को बदलने और न्यायपालिका को भाई-भतीजावाद से मुक्त करने की लिए चीफ जस्टिस ने जो पहल की है उसी से यह विचार उठा है कि क्या इसी तरह से राजनीति को भाई-भतीजावाद से मुक्त किया जा सकता है? क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इससे सूत्र पकड़ कर आगे बढ़ सकते हैं? राजनीति और न्यायपालिका का मामला निश्चित रूप से बिल्कुल अलग है लेकिन इसे आधार बना कर एक छोटी पहल तो निश्चित रूप से की जा सकती है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा है कि एक लाख युवाओं को राजनीति में लाना है और उन्हें आगे के लिए तैयार करना है। उन्होंने लाल किले से अपने भाषण में यह बात कही थी और उसके बाद से करीब पांच महीने बीत गए हैं। लेकिन ऐसा कहीं दिख नहीं रहा है कि भाजपा पढ़े लिखे, आदर्शवादी और जन कल्याण के लिए प्रतिबद्ध युवाओं की पहचान करके उनको राजनीति में आगे बढ़ाने की कोई पहल कर रही है।

मंडी के पडुल मैदान को बर्बाद मत करो...

भूपिंदर सिंह

सुजानपुर व जयसिंहपुर के बड़े मैदानों पर तो पहले ही बहुत अतिक्रमण हो चुका है। अब मंडी के पडुल मैदान में तो इंडोर बना कर उसे बर्बाद करने की कसरत शुरू हो गई है। सरकाघाट महाविद्यालय का खेल मैदान अभी तक भी कृषि विभाग का खेत ही नजर आता है। भवन निर्माण उन्नत प्रौद्योगिकी के कारण कहीं भी बन सकता है, तो फिर मैदान के लिए दुर्लभ समतल जगह को क्यों बरबाद किया जा रहा है। हर शिक्षा संस्थान को अपना खेल मैदान चाहिए केंद्रीय खेल मंत्रालय अन्य राज्यों के साथ-साथ हिमाचल प्रदेश में भी युवा सेवाएं एवं खेल विभाग के साथ मिलकर हर साल करोड़ों रुपए नए खेल मैदानों को बनाने व पुराने मैदानों के रखरखाव के लिए जारी करता है, मगर हकीकत में इस धन राशि की खूब बंदरबांट होती है। कहीं पर भी पूरी तरह से खेल मैदान तैयार नहीं हुआ है और जो था, वह भी बर्बाद कर दिया गया। अब मंडी के खूबसूरत पडुल मैदान में इंडोर स्टेडियम बनाने के लिए सदर के विधायक अनिल शर्मा कह रहे हैं। पडुल मंडी शहर के सभी शिक्षा संस्थानों के खेल मैदान का दायित्व तो अकेला निभाता ही है, साथ में पूरे शहर के लिए सवेरे की सैर को भी पूर्ण करता है। मंडी के तत्कालीन शासकों ने इसे अपनी सेना की परेड व शिवरात्रि उत्सव के लिए भी बनाया था जो आज भी हर वर्ष जारी है। पडुल हर दिन सैंकड़ों विद्यार्थियों व अन्य नागरिकों की फिटनेस को कवर करता है। जब यहां कंक्रीट का इंडोर बना देंगे तो वहां अंदर कितने लोग आ पाएंगे? विधायक जी आप इसके लिए और जगह देखें, वहां इंडोर स्टेडियम बनाएं जिसके साथ आपका नाम सकारात्मक व आदर से जुड़े। मंजिल चाहे खेलों की हो या फिटनेस की, इन सबके लिए खेल मैदानों का होना बहुत जरूरी है। विद्यार्थी जीवन में ही पूरे जीवन के लिए स्वास्थ्य की नींव रखी जाती है, मगर हमारे विद्यालयों में खेल मैदानों के अभाव में विद्यार्थी की फिटनेस का कोई भी कार्यक्रम नहीं है। हिमाचल प्रदेश का अधिकांश भूभाग पहाड़ी होने के कारण मैदानों के लिए बहुत मुश्किल से लंबी-चौड़ी जगह मिल पाती है। इसलिए हिमाचल प्रदेश के शिक्षा संस्थानों के पास बहुत कम खेल मैदान हैं और जहां हैं भी, उन्हें कभी भवन तो कभी पार्किंग बनाकर यूं ही बरबाद किया जा रहा है। हिमाचल प्रदेश के अधिकतर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों के मैदानों में विज्ञान के लिए प्रयोगशाला भवन तो कभी किसी और के लिए भवन बना कर खत्म कर दिया जा रहा

है। हिमाचल में ऐसे बहुत क्षेत्र हैं जहां वालीबॉल व कबड्डी की प्ले फील्ड होना भी बड़ी बात है। हिमाचल प्रदेश सरकार इस विषय पर ध्यान दे ताकि भविष्य में विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान के साथ-साथ स्वास्थ्य भी मिल सके। एक समय था जब विद्यार्थी सवेरे-शाम अपने अभिभावकों के साथ कृषि कार्य में हाथ बंटाता था, फिर कई किलोमीटर चल कर विद्यालय पहुंचता था। उस समय किसी भी फिटनेस कार्यक्रम की जरूरत नहीं थी, मगर आज जब पढ़ाई के लिए घर का काम बंद है, पैदल चलने का रिवाज ही नहीं है तथा खेल के नाम पर मोबाइल व कम्प्यूटर है तो फिर फिटनेस के लिए खेल मैदान तो अनिवार्य हो जाता है। नहीं तो फिर हमारी संतानें कहीं नशे के दलदल में फंस जाएंगी। उस उच्च शिक्षा का क्या अर्थ रह जाता है जिससे आप प्रशासनिक अधिकारी, कर्मचारी, अभियंता, चिकित्सक, प्रबंधक तो बन जाते हैं, मगर आप स्वस्थ रह कर साठ वर्षों तक देश व प्रदेश की सेवा नहीं कर पा रहे हैं। अब तो लोग तीस-चालीस साल की उम्र में जानलेवा बीमारियों का शिकार हो रहे हैं। इस सबके पीछे जिम्मेदार बिना फिटनेस कार्यक्रम की स्कूली शिक्षा है। फिटनेस के इस संवेदनशील विषय पर इस कॉलम के माध्यम से सरकार व अभिभावकों को बार-बार सचेत किया जाता रहा है। हिमाचल प्रदेश के अधिकांश विद्यालयों में पढने के लिए कमरे तो हैं, मगर उनकी फिटनेस के लिए कोई भी कार्यक्रम नहीं है। मैदान होंगे, तभी फिटनेस पर कार्य होगा। हिमाचल प्रदेश का शिक्षा विभाग निजी शिक्षा संस्थान खोलने के लिए तो मैदान की अनिवार्य शर्त रखता है, मगर अपने सरकारी संस्थानों के मैदानों में भवन व पार्किंग बनाकर अपने ही नियमों को ठेंगा दिखा रहा है। अभी भी समय है कि हिमाचल प्रदेश की जनता व सरकार दोनों को विद्यार्थी जीवन में फिटनेस कार्यक्रम के महत्व को समझना होगा, नहीं तो भविष्य में हमारी अगामी पीढियां हमें कभी माफनहीं करेंगी। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आज खेल जगत में बहुत कड़ी प्रतिस्पर्धा हो गई है। इसलिए उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन करने पर भी पोडियम तक पहुंचना सबके बस की बात नहीं है। अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं की पदक तालिका में स्थान बनाने के लिए जहां विद्यालय स्तर से ही अच्छे ज्ञानवान प्रशिक्षक चाहिए, वहीं पर प्ले फील्ड भी बहुत जरूरी है। हिमाचल प्रदेश के खेल मैदानों व अन्य हाल ही के वर्षों में बनी अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्ले फील्ड का रखरखाव भी ठीक ढंग से नहीं हो रहा है। हिमाचल प्रदेश के पास आज से दो दशक पहले तक खेल ढांचे के नाम पर सैंकड़ों साल पहले राजा-महाराजाओं द्वारा मेले व उत्सवों के लिए बनाए गए, उंगलियों पर गिने जाने वाले कुछ मैदान चंबा, मंडी, अमतर, सुजानपुर, जयसिंहपुर, कुल्लू, अनाडेल, रोहडू, सराहन, सोलन, चैल व नाहन में थे।

देव, जिन दर्शन, अभिषेक, पूजन दान, व्रत, नियम से मनुष्य जीवन सार्थक करें : आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज

पारसोला (विश्व परिवार)। आचार्य शिरोमणी श्री वर्धमान सागर जी सन्मति भवन में विराजित हैं जयंतीलाल कोठारी ऋषभ पचौरी वीरेन सेठ ने बताया कि प्रथमाचार्य चारित्र चक्रवर्ती आचार्य श्री शांति सागर जी आचार्य पद प्रतिष्ठापना शताब्दी महोत्सव अंतर्गत आध्यात्मिक संस्कार शिविर का आयोजन 28 दिसंबर से 3 जनवरी तक दिगंबर जैन समाज एवं वर्षायोग समिति द्वारा किया गया। आध्यात्मिक शिक्षण शिविर में आचार्य श्री एवं उनके मुनि शिष्यों आर्यिका माताजी द्वारा सभी को धार्मिक शिक्षण प्रदान किया गया।संजय पापड़ीवाल किशनगढ़ दीपक पाटनी कोलकाता एवं श्रीमती माया अग्रवाल उदयपुर द्वारा सफल प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर आचार्य श्री ने स्थानीय समाज एवम शिविरार्थियों को उपदेश में बताया कि जीने के लिए भोजन जरुरी है, भोजन से ज्यादा जल जरूरी है, जल से ज्यादा हवा जरूरी है, और हवा से भी ज्यादा धर्म जरूरी है। धर्म दो प्रकार के होते हैं श्रावक धर्म और साधु धर्म साधु का कार्य समाज को उपदेश देना होता है, वही श्रावक का कर्तव्य दान और पूजा होना चाहिए यह प्रवचन पारसोला में आचार्य श्री वर्धमान सागर जी ने धर्म सभा में प्रकट किया। राजेश पंचोलिया अनुसार आचार्य श्री ने आगे बताया कि श्रावक के भी तीन भेद हैं उत्तम श्रावक वह होता है जो पहले आहार दान देता है उसके बाद भोजन करता है, मध्यम श्रावक वह होता है जो आहार देखता है आहार देखने के बाद भोजन करता है जघन्य श्रावक वह होता है जो आहार भी नहीं देता और भोजन आहार होने के बाद करता है वह जघन्य श्रावक है किंतु ऐसे व्यक्ति जो मुनियों के आहार के पहले ही भोजन कर लेते हैं वह अधम श्रावक की श्रेणी में आते हैं इसलिए श्रावक को श्रद्धावान, विवेकवान और क्रियावान होकर कार्य करना चाहिए।मंदिर में पूजन स्वयं के उत्तम द्रव्यों से भावपूर्वक करना चाहिए। जिस प्रकार आप डॉक्टर पर श्रद्धा करते हैं कि वह हमारा इलाज करेगा हम स्वस्थ हो जाएंगे इस प्रकार आपको भगवान पर भी विश्वास होना चाहिए भगवान के दर्शन अभिषेक पूजन बिना स्वार्थ के करना चाहिए। खेती में जिस प्रकार एक बीज भविष्य में बड़ा वृक्ष बनाकर फल देता है उसी प्रकार श्रावक के जीवन में अच्छे कार्य, नियम, व्रत देव दर्शन, अभिषेक, पूजन, स्वाध्याय तप, संयम आदि भावपूर्वक करने से उसका फल पुण्य भी बहुत अधिक मिलता है। आचार्य श्री के आगमन पश्चात आयोजित पंचकल्याणक प्रतिष्ठा, आचार्य पद शताब्दी महोत्सव, चातुर्मास, आचार्य श्री वर्धमान सागर की हीरक जयंती कार्यक्रम आदि में जैन समाज की रिपोर्टिंग के लिए विनोद जैन का स्वागत जैन समाज द्वारा श्रीफल, माला पगड़ी स्मृति चिन्ह द्वारा किया गया।

यदि हम मेरी भावना की पंक्तियों को जीवन में चरितार्थ कर लें, तो हमारा जीवन धन्य हो जाएगा : मुनि श्री प्रमाणसागर जी महाराज

इंदौर (विश्व परिवार)। मन की स्थिति बड़ी विचित्र है, क्षण भर में हम रुष्ट हो जाते हैं, क्षणभर में ही खुश हो जाते हैं, बाहर के उतार-चढ़ाव को तो हम रोक नहीं सकते, लेकिन मेरी भावना की ये पंक्तियों को यदि हम जीवन में चरितार्थ कर लें, तो हमारा जीवन धन्य हो जाएगा। होकर सुख में मग्न न फूले, दु:ख में कभी न घबरावे, इष्ट वियोग और अनिष्ट योग में, सहनशीलता दिखलावे यही धर्म का अंतरंग पक्ष है, अंदर की समता अर्थात ठहराव लाकर आप सदा बहार प्रसन्न रह सकते हैं। उपरोक्त उद्गार मुनि श्री ने रामचंद्रनगर में प्रात:कालीन धर्म सभा में व्यक्त किये।

मुनि श्री ने कहा कि हम लोगों के मन में जब इष्ट का वियोग और अनिष्ट का संयोग होता है, तो कयी प्रकार के विकल्प आते है, और जब भी मन के विरुद्ध कुछ घटता है, तो मन परेशान हो जाता है, संत कहते है की थोड़ा विचार करो संसार में जो कुछ भी घट रहा है क्या सब कुछ तेरे हाथ में है ?जब तेरे हाथ में कुछ भी नहीं है, तो तू क्यों परेशान होता है, बस्तु का परिणमन मेरे स्वभाव से नहीं उसका परिणमन उसके स्वभाव से होता है जब यह बात समझ लोगे तो इष्ट अनिष्ट विकल्प नहीं आऐंगे।

मुनि श्री ने कहा कि यह हमारी भूल है कि हमने पुण्य और पाप के फल को अपना मान लिया और यह धारणा बनाली कि जो में जो चाहुं वह कर सकता हूं, जैसा में चांहू और जो में करूं वही हो, इसी बुद्धि से प्रेरित होकर मेंने पर में इष्ट और अनिष्ट की कल्पना की और अपने विचारों को दूसरे पर थोपा अपने बिचारो से किसी को अच्छा, और किसी को बुरा कहा राग द्वैष की परणति ही मेरे दु:खों का असली कारण है। मुनि श्री ने कहा कि जैसे मृग को रेगीस्तान में सूर्य की कि किरण पानी के समान दिखाई देती है और वह मृग पानी के पीछे दोड़ दोड़ कर अपने प्राण गंवा देता है,

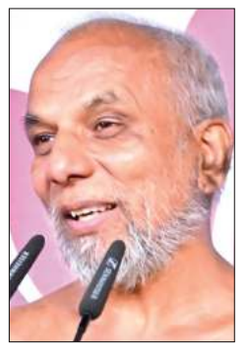

यह मृगतृष्णा ही है जो आपको सबको दौड़ लगाती है। मुनि श्री ने कहा कि जब तक अंतरंग में ऐसा अज्ञान वैठा रहेगा व्याकुल चित्त बने रहेगो, यदि अपने चित्त में प्रसन्न बनाये रखना चाहते हो तो एक बात ध्यान में रखो कि में एक शुद्ध आत्म तत्व हूं मेरी आत्मा के अतिरिक्त एक परमाणु भी मेरा अपना नहीं है, में ज्ञान दर्शन लक्षण से युक्त एक आत्मा हूं मेरा कोई कुछ भी नहीं बिगाड़ कर सकता है और न कोई सुधार सकता है, मुझसे जुड़ी हुई सभी चीजें संयोगाश्रित है उन बस्तुओं की इष्ट या अनिष्ट मानना ही मेरे मन की झूंठी कल्पना है मुनि श्री ने कहा कि मन में स्वभाव को जान लेंने से और स्वीकार करने से प्रसन्नता आ जाती है, सबसे पहले अपने आप को अपने स्वभाव को अपने स्वरुप को जानकर बस्तु के स्वरुप को जान लोगे तो आपको संकल्प और विकल्प नहीं उठेंगे, तथा सामान्य रूप से जो व्यवस्था बनाई है उस व्यवस्था को स्वीकार कर लोगे तो किसी भी प्रकार के संकल्प विकल्प और असंतोष के भाव नहीं उठेंगे। मुनि श्री ने कहा कि आप लोग अपने दु:खों का रोना तो रोते हो, यह क्यों नहीं सोचते कि मुझे यह नर भव मिला सुंदर स्वस्थ शरीर मिला यह क्या कम है? अपनी तुलना अपने से नीचे बालों से करो अपने से ऊपर बालों से नहीं, जो चीजें तुम्हारे हाथ में है वही तुम पा सकते हो जो चीजें तुम्हारे नियंत्रण से बाहर है उसे तदानुरुप स्वीकार कर लोगे तो आपको दु:ख नहीं होगा।अभावोन्मुखी दृष्टि को स्वभावोन्मुखी दृष्टी की ओर ले जाओगे तो सु:ख महसूस करोगे, कल की व्यवस्था को बनाओ पुरुषार्थ करो लेकिन उसकी चिंता में अपने आज को नष्ट मत करो यदि यह सोच आपने विकसित कर ली तो हर पल आनंद महसूस करोगे, साधू संतों के सानिध्य में आकर यदि धर्माचरण का पालन नहीं किया तो आपका सत्संग बेकार है, और यदि उसे आत्मसात करोगे तो आपको प्रसन्नता महसूस होगी।उपरोक्त जानकारी देते हुये धर्म प्रभावना समिति के प्रवक्ता अविनाश जैन ने बताया आज सांयकाल का शंकासमाधान रामचंद्र नगर में होकर रात्री विश्राम यंही होगा। -**अविनाश जैन**

संक्षिप्त समाचार

चवलेश्वर जैन मंदिर में दो मूर्ति व सिंहासन चोरी, समाजजनों में भारी आक्रोश

चैनपुरा (विश्व परिवार)। चैनपुरा में दिगंबर जैन मंदिर चवलेश्वर पार्श्वनाथ मंदिर में बीती रात अष्टधातु की दो मूर्तियां, छत्र एवं सिंहासन

के साथ दान पेटी में से नगद राशि चोर चुरा कर ले गए चोरों ने सीसीटीवी कैमरा को बंद करके चोरी को अंजाम दिया। घटना का पता चलते ही समाज जनों में भारी आक्रोश व्याप्त हो गया घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। मौका मुआयना करने के साथ एफएसएल की टीम को बुलाकर साक्ष्य जुटाने का प्रयास शुरू किया गया। चवलेश्वर पार्श्वनाथ दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र कमेटी चैनपुरा के अध्यक्ष प्रकाश कासलीवाल ने इस संदर्भ में काछोला थाने में रिपोर्ट पेश की। काछोला थाना प्रभारी श्रद्धा पचौरी ने बताया कि रिपोर्ट में बताया गया है कि चवलेश्वर पारसनाथ के दिगंबर जैन मंदिर के निज मंदिर से दो मूर्तियां एवं चांदी का छत्र, सिंहासन एवं दान पात्र से नकदी चोरी हुई है। विशेष टीम का गठन कर सीसीटीवी फुटेज खंगालकर चोरों तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। एफएसएल की टीम को मौके पर बुलाया गया है। टीम फुटेज ले रही है। उधर तीर्थ क्षेत्र कमेटी के अध्यक्ष प्रकाशचंद कासलीवाल, कार्य अध्यक्ष प्रवीणचंद गोधा, प्रकाश गंगवाल, भागचंद बंसल, कैलाशचंद्र सोगानी, रूपचंद गोधा, मुकेश अजमेरा, सुरेश चंद्र कासलीवाल ने चोरों को जल्द गिरफ्तार करने की मांग की है। -**अभिषेक जैन लुहाड़िया**

गौ सेवा हेतु समिति को दवाइयां प्रदान की

राघौगढ़ (विश्व परिवार)। जैन मिलन राघौगढ़ के तत्वावधान में स्वर्गीय श्रीमती विमला देवी धर्मपत्नी श्री राजेंद्र कुमार जी जैन की स्मृति में गौ सेवा समिति साडा कॉलोनी राघौगढ़ को 5100 रुपये की दवाइयां प्रदान की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारतीय जैन मिलन के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष विजय कुमार जैन, विशेष अतिथि क्षेत्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष अशोक भारिल्य थे। अध्यक्षता जैन मिलन राघौगढ़ के अध्यक्ष जितेंद्र कुमार जैन ने की। जैन मिलन के शाखा मंत्री विकास कुमार जैन ने बताया है कि गौ सेवा समिति साडा कॉलोनी द्वारा राष्ट्रीय राजमार्ग पर दुर्घटना में घायल हुई गौ माता का स्वरित उपचार किया जाता है समिति की सेवा भावना से प्रभावित होकर जैन मिलन के तत्वावधान में शाखा अध्यक्ष जितेन्द्र कुमार जैन के सौजन्य से उन्हें आज निशुल्क दवाइयां प्रदान की गई। समिति के पदाधिकारियों को पुष्पाहार पहनाकर एवं दुपट्टा डालकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर जैन मिलन राघौगढ़ के कोषाध्यक्ष रुपेश चौधरी, पूर्व शाखा अध्यक्ष विनय कुमार जैन उपस्थित थे। गौ सेवा समिति के हेमंत शर्मा, मंचल जैन, कुलदीप विश्वकर्मा, गुलशन साहू, हिमांशु विजयवर्गीय, चेतन भार्गव, रोशन वास्त्री, हेमंत राजपूत, जय मेरे, शुभांशु सेंगर आदि उपस्थित थे।

डॉ.चिन्मय पंड्या पहुँचे देवांगन निवास, परिवार जनों को दिया आशीर्वाद

नवापारा राजिम (विश्व परिवार)। गायत्री परिवार के अंतर्राष्ट्रीय वरिष्ठ संचालक डॉ. चिन्मय पंड्या आज सोमवार दोपहर युवा भाजपा नेता किशोर देवांगन के नवापारा स्थित निवास पहुँचे, जहां देवांगन ने डॉ. पंड्या की सपरिवार आरती उतारी और तिलक लगाकर स्वागत किया। देवांगन के निवास पर डॉ. पंड्या ने विधिविधान से सूक्ष्म गायत्री यज्ञ किया और उनके परिवार को आशीर्वचन देते हुए देवांगन से समाजसेवा के साथ-साथ गायत्री परिवार के संदेशों को क्षेत्र के जन-जन तक पहुंचाने में भी सक्रिय भूमिका निभाने कहा। डॉ. पंड्या ने कहा कि गायत्री परिवार हम बदलेंगे-युग बदलेगा के मूलमंत्र पर चलता है। आज गायत्री परिवार के करोड़ों सदस्य हैं क्योंकि गायत्री परिवार का उद्देश्य पवित्र है। समाज में व्याप्त हो चुकी पाश्चात्य संस्कृतियों को मिटाने के लिए यह जरूरी है कि गायत्री परिवार का प्रत्येक सदस्य पूरी जिम्मेदारी से अपनी भूमिका का निर्वहन करे।

आचार्य विशुद्धसागर महाराज जी के सानिध्य में 700 बच्चों का मौजी बंधन संस्कार : श्री सागर संभूशेटे

नांदणी/महाराष्ट्र (विश्व परिवार)। नांदणी पंचकल्याण महोत्सव के कार्याध्यक्ष श्री सागर संभूशेटे जी ने बताया की 5 जनवरी को सुबह 8 बजे नांदणी में अध्यात्म सरोवर के राजहंस दिगंबराचार्य विशुद्धसागर जी महाराज के सानिध्य में 700 बच्चों का मौजी बंधन संस्कार संपन्न हुआ। दिगंबराचार्य श्री विशुद्धसागर महाराज जी ने बताया की बच्चा जब आठ साल का हो जाता है, तब उसका उपनयन संस्कार किया जाता है।

आचार्य श्री विशुद्धसागर महाराज जी ने उपनयन संस्कार में बच्चों को कहा की अष्टमूलगुणों का पालन करे। अष्टमूलगुण का मतलब मद्य, मांस, मधु, बड़, पीपल, पाकर, ऊमर, कठूमर का जीवन भर के लिए त्याग करना है। अभी तक जिम्मेदारी माता-पिता की थी। लेकिन अब उपनयन संस्कार के बाद बच्चे की स्वयं जिम्मेदारी होती है कि वह इसका पालन करे। जैन संस्कृति में जैन श्रावकों के लिए उपनयन संस्कार का अत्यधिक महत्व है। आचार्य भगवन श्री विशुद्ध सागर जी महाराज ने कहा की सप्त व्यसन का त्याग करना चाहिए। जैन संस्कृति में उपनयन संस्कारों की महिमा अपरंपार है। उपनयन संस्कार के बाद श्रावकों को पूजन, अभिषेक और आहार का अधिकार होता है। मौजी बंधन जैन संस्कारों की एक अद्भुत क्रिया हैं। नांदणी की पावन धरा में रविवार को उत्साह भरा माहौल नजर आया। वृषभाचल नांदणी में सुबह 6.30 बजे से ही माता-पिता अपने बच्चों का मुंडन कराकर मौजी बंधन संस्कार के लिए ला रहे थे। करीब 700 बच्चे और उनके परिवार के लोग नांदणी में एकजुट हुए। हजारो श्रावक-श्राविकाओं से चारों ओर भीड़ नजर आ रही थी। सुबह मुख्य पंडाल में विधि-विधान के साथ मौजी बंधन संस्कार की विधि आरंभ की गई। 9 आचार्य भगवन, 75 मुनीराज - माताजी और जिनसेन भट्टारक महास्वामीजी के सानीध्य में उपनयन संस्कार संपन्न हुआ। -**अभिषेक अशोक पाटील**

दिल्ली के पर्यावरण एवं विकास मंत्री गोपाल राय को विश्व जैन संगठन ने सौंपा ज्ञापन

दिल्ली में जैन कल्याण बोर्ड के गठन और दिल्ली अल्पसंख्यक आयोग में जैन सदस्य की नियुक्ति बाबत

दिल्ली (विश्व परिवार)। विश्व जैन संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय जैन ने रविवार, 5 जनवरी 2025 को बलबीर नगर जैन समाज द्वारा आयोजित कार्यक्रम में दिल्ली सरकार के मंत्री गोपाल राय को दिल्ली अल्पसंख्यक आयोग में जैन सदस्य की नियुक्ति और दिल्ली में जैन कल्याण बोर्ड की वर्षो पुरानी मांग पर अतिशीघ्र कार्यवाही हेतु पत्र सौंपा।

संगठन के उपाध्यक्ष यश जैन ने बताया कि पूज्य मुनि श्री 108 अनुमान सागर जी महाराज के सानिध्य में आयोजित सभा में संगठन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के साथ बलबीर नगर जैन मंदिर के प्रधान अनिल जैन, महामंत्री संजय जैन और समस्त कार्यकारिणी ने संगठन की मांग के साथ दिल्ली सरकार में मंत्री गोपाल राय को ज्ञापन सौंपा जिसकी अनुमोदना उपस्थित सभी समाज ने की।

संगठन द्वारा मंत्री जी को मांग पत्र सौंपने वालों में मंत्री राजीव जैन, प्रचार मंत्री प्रदीप जैन, सम्मानित सदस्य अमित जैन, महिला प्रकोष्ठ संयोजिका रुचि जैन, भारतीय जैन ज्योतिषाचार्य परिषद् के रवि जैन गुरुजी, संगठन की बलबीर नगर शाखा के पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित रहे।

एनआईटी रायपुर ने ब्लॉकचेन, फिनटेक और साइबर सुरक्षा पर आधारित ऑनलाइन कार्यशाला का किया उद्घाटन

रायपुर (विश्व परिवार)। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) रायपुर के कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग द्वारा ब्लॉकचेन, फिनटेक और साइबर सुरक्षा पर 10 दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला का 6 जनवरी 2025 को उद्घाटन किया गया। IBITF (NM-ICPS) द्वारा प्रायोजित, इस कार्यक्रम का उद्देश्य सुरक्षित डिजिटल वित्तीय पारिस्थितिकी तंत्र को आकार देने में ब्लॉकचेन, फिनटेक और साइबर सुरक्षा की महत्वपूर्ण भूमिकाओं से प्रतिभागियों को परिचित कराना है।

उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में CHIPS के सीईओ और IAS श्री प्रभात मलिक, और विशिष्ट अतिथि के रूप में NIT रायपुर के निदेशक प्रो. एन.वी. रमना राव उपस्थित रहे। कार्यशाला के समन्वयक कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग से सहायक प्रोफेसर डॉ. प्रीति चंद्राकर और डॉ. के. जयराम नाइक हैं।

उद्घाटन समारोह की शुरुआत वर्चुअल दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ हुई, जिसके बाद डॉ. प्रीति चंद्राकर ने स्वागत भाषण दिया। उन्होंने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का स्वागत किया, और कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी। अपने संबोधन के दौरान, डॉ. राव ने संवेदनशील वित्तीय डेटा की सुरक्षा के लिए मजबूत साइबर सुरक्षा उपायों के महत्व पर जोर दिया। डिजिटल वित्त क्षेत्र में साइबर हमलों और धोखाधड़ी जैसे मुद्दों पर प्रकाश डालते हुए, उन्होंने सुरक्षित फिनटेक प्लेटफॉर्म सुनिश्चित करने में एआई आधारित सुरक्षा, खतरे का तुरंत पता लगाने, क्वांटम क्रिप्टोग्राफी और ब्लॉकचेन प्रोटोकॉल जैसी तकनीकों के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि तकनीकी प्रगति किस तरह से वित्तीय सुरक्षा में महत्व रखती हैं।

श्री मलिक ने ब्लॉकचेन, फिनटेक और साइबर सुरक्षा के बीच परस्पर क्रिया के बारे में जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि ब्लॉकचेन छेड़छाड़-प्रूफ लेनदेन रिकॉर्ड सुनिश्चित करता है, फिनटेक वित्तीय सेवाओं की दक्षता में सुधार करता है और साइबर सुरक्षा सिस्टम को खतरों से बचाता है। ये सारी तकनीक सुरक्षित, पारदर्शी और भरोसेमंद डिजिटल वित्तीय संचालन में सहायक होती हैं। उन्होंने नागरिकों द्वारा डिजिटल ट्रांजेक्शन में फिनटेक की परिवर्तनकारी भूमिका और इसकी पूरी क्षमता को अनलॉक करने के लिए सरकारी प्रयासों के महत्वपूर्ण महत्व पर चर्चा की। उन्होंने गुणवत्तापूर्ण डेटाबेस के माध्यम से फिनटेक में स्केलेबिलिटी बढ़ाने के उद्देश्य से की गई पहलों पर प्रकाश डाला।

डॉ. प्रदीप सिंह, विभागाध्यक्ष, कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग ने इस कार्यशाला में सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया और सुरक्षित डिजिटल ट्रांजेक्शन सुनिश्चित करने के लिए फिनटेक, ब्लॉकचेन, साइबर सुरक्षा और एआई में सहयोगी प्रयासों की आवश्यकता पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने इन मुद्दों से निपटने, ब्लॉकचेन और एआई की क्षमता को अधिकतम करने के लिए मजबूत सामूहिक सुरक्षा अपनाने की बात की। कार्यक्रम का समापन डॉ. जयराम नाइक के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन महिला मंडल की सदस्यों ने किया विभिन्न स्थानों का भ्रमण

रायपुर (विश्व परिवार)। अंग्रेजी नव वर्ष 2025 के अवसर पर श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन महिला मंडल की सदस्यो ने शुक्रवार 3 जनवरी को पिकनिक का आयोजन किया जिसमें उन्होंने विभिन्न स्थानों का भ्रमण किया जिसमे नयापारा राजिम स्थित किरवाई आश्रम पारसनाथ भगवान के दर्शन, लक्ष्मण झूला राजिम, जतमई घटारानी, चंपारण आदि का भ्रमण किया जिसमें उन्होंने फनी गेम्स के साथ साथ हाऊजी भी खेला जिसमें गेम के प्रथम विनर श्रीमती लता लक्ष्मीकांत जैन, द्वितीय विनर रानी अजीत जैन एवं तृतीय विनर

श्रीमती प्रीति दिनेश जैन रहीं, इस यात्रा में महिला मंडल की संरक्षिकाओ सहित 45 मेंबर्स शामिल थे।

उक्त जानकारी महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती सरिता सुनील जैन , सचिव श्रीमती सपना संजय जैन, कोषाध्यक्ष रेखा रमेश जैन द्वारा प्रदाय की गई।

जागृति एनक्लेव, दिल्ली जैन समाज द्वारा श्री नेमि गिरनार धर्म पद यात्रा के लिए समर्थन सभा आयोजित

विश्व जैन संगठन ने सौंपा बलबीर नगर, दिल्ली मंदिर कमेटी को 23 मार्च 2025 को पद यात्रा के शुभारंभ के लिए सहमति पत्र

पूज्य मुनि श्री शिव सागर जी महाराज और मुनि श्री अनुमान सागर जी महाराज ने दिया पद यात्रा के लिए आशीर्वाद

दिल्ली (विश्व परिवार)। दिल्ली से गिरनार जी की 101 दिवसीय लगभग 1500 किमी लंबी धर्म पद यात्रा के समर्थन और सहयोग के लिए जागृति एनक्लेव, दिल्ली जैन समाज द्वारा संगठन के पदाधिकारियों की उपस्थिति में 5 जनवरी 2025 को मंदिर प्रांगण में समर्थन सभा का आयोजन किया गया।

विश्व जैन संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय जैन ने समर्थन सभा में धर्म पद यात्रा का उद्देश्य सम्पूर्ण जैन समाज को जोड़ते हुए जैन धर्म, सिद्धांतों और 22वे जैन तीर्थंकर नेमिनाथ भगवान के मोक्ष दिवस 2 जुलाई 2025 को उनके मोक्षस्थल गिरनार जी के दर्शन करने के लिए समाज को जागरूक करना बताया और सभी को यात्रा में शामिल होने के लिए आह्वान करते हुए सभी कमेटियों को जागृति एनक्लेव मंदिर कमेटी के समान सहयोग और समर्थन की अनुमोदना और अनुकरण करने के लिए आह्वान किया।

जागृति एनक्लेव मंदिर कमेटी के अध्यक्ष पी. के. जैन और महामंत्री अमित जैन ने मंदिर कमेटी और समाज की और धर्म पद यात्रा में समर्थन की घोषणा करते हुए पूज्य आचार्य श्री सुबल सागर जी महाराज की प्रेरणा से गिरनार जी के लिए एकत्रित की गई एक लाख एक हजार रुपए की राशि का चेक संगठन को सौंपा।

संगठन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष यश जैन ने बताया कि बलबीर नगर, दिल्ली मंदिर कमेटी को 23 मार्च 2025 को पद यात्रा बलबीर नगर मंदिर जी से शुभारंभ करने के लिए संगठन की और से सहमति पत्र कमेटी द्वारा आयोजित कार्यक्रम में सौंपा गया।

संगठन के मंत्री राजीव जैन, सम्मानित सदस्य अमित जैन ने बताया कि बलबीर नगर मंदिर कमेटी द्वारा आयोजित सभा में उपस्थित दिल्ली सरकार के मंत्री श्री गोपाल राय को संगठन के अध्यक्ष संजय जैन, उपाध्यक्ष यश जैन और कार्यकारिणी द्वारा दिल्ली अल्पसंख्यक आयोग में जैन सदस्य और दिल्ली में जैन कल्याण बोर्ड की मांग को दिल्ली चुनाव से पूर्व पूर्ण करने के लिए पत्र सौंपा।

संगठन के प्रचार मंत्री प्रदीप जैन, महिला प्रकोष्ठ संयोजिका रुचि जैन ने बताया कि जागृति एनक्लेव सभा में विराजमान पूज्य मुनि श्री 108 शिव सागर जी महाराज और बलबीर नगर में आयोजित सभा में विराजमान पूज्य मुनि श्री 108 अनुमान सागर जी महाराज ने धर्म पद यात्रा और संगठन को मंगल आशीर्वाद और मार्गदर्शन दिया।

संगठन के कोषाध्यक्ष अरविंद जैन और मीडिया प्रभारी आकाश जैन ने बताया कि धर्म पद यात्रा में सहयोग के लिए जागृति एनक्लेव अभिषेक गरुप, भारतीय जैन ज्योतिषाचार्य परिषद्, एस. एस. जैन सभा बलबीर नगर, जैन मंच, जैन मिलन को पत्र सौंपा गया। इस अवसर पर संगठन की मुख्य कार्यकारिणी के सदस्य और बलबीर नगर शाखा के पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित रहे।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बस्तर संभाग

रायपुर मंगलवार 07 जनवरी 2025

संक्षिप्त समाचार

युवा पत्रकार की निर्मम हत्या घिनौना कृत्य : रंजना साहू

धमतरी(विश्व परिवार)। बीते दिनों बस्तर संभाग के बीजापुर जिले में हुए युवा पत्रकार मुकेश चंद्राकर की निर्मम हत्या एक घिनौना कृत्य है, हमारे देश में पत्रकारिता को चौथा स्तंभ माना जाता है, लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पत्रकारिता में बस्तर की आवाज मुकेश चंद्राकर निरंतर शासन प्रशासन को आईना दिखाने का कार्य कर रहे थे। उनकी हत्या पत्रकारिता की आवाज को दबाने का प्रयास है। कांग्रेस पार्टी प्रदेश की कानून व्यवस्था को बिगाड़ कर भाजपा की सुशासन सरकार को बदनाम करने की साजिश रचती आई है इससे पहले भी सूरजपुर और बलौदा बाजार की घटना ने सिद्ध किया था और अब बीजापुर के पत्रकार की निर्मम हत्या, यह कांग्रेस की ओछी राजनीति को दर्शाता है, पत्रकार के द्वारा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैस के नजदीकी ठेकेदार के घोटाले को पर्दाफाश करने पर निर्माणाधीन उसी ठेकेदार के कार्यस्थल पर पत्रकार का शव मिलना निश्चित ही हत्या को अन्देशित करती है। किंतु इस निर्मम हत्या पर भी कांग्रेस ओछी राजनीति करने से चूक नहीं रही है बल्कि छत्तीसगढ़ की सुशासन सरकार पर बेवजह कानून व्यवस्था के नाम पर जुगलबाजी कर रही है।

अज्ञात वाहन के टक्कर से युवक की हुई मौत

बलरामपुर(विश्व परिवार)। बलरामपुर रामानुजगंज बीती रात 9 बजे के करीब राष्ट्रीय राजमार्ग 343 में बलरामपुर से खाना खाकर पैदल लौट रहे ट्रक ड्राइवर अज्ञात वाहन के चपेट में नगर सेना तिराहा से करीब 1 किलोमीटर पीछे आने से गंभीर रूप से घायल हो गया जिसे रामानुजगंज की ओर से जा रहे अमानत अली खान के द्वारा देखकर तत्काल इसकी सूचना हाईवे पेट्रोलिंग एवं बलरामपुर थाने में दी गई सूचना पर 108 से जिला अस्पताल ले जाया गया जहा स्थिति गंभीर देखते हुए तत्काल अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया गया परंतु अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज पहुंचने से पूर्व उसकी मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार करीब एक संस्था पूर्व लखनपुर अमेरा खदान के नजदीक रहने वाले संतोष नमक ड्राइवर जिसकी उम्र 35 से 40 वर्ष के करीब बताई जा रही है। उसका ट्रक करीब एक सप्ताह पूर्व औरझरिया के समीप खराब हो गया था। शनिवार के रात 9 बजे के करीब वह बलरामपुर की ओर से खाना खाकर पैदल जा रहा था। इसी दौरान अज्ञात वाहन के द्वारा उसे टक्कर मार दिया गया जिससे उसका एक पैर बुरी तरीका से जख्मी हो गया। इसी दौरान रामानुजगंज की ओर से जा रहे अमानत अली खान के द्वारा रोड पर तड़पते देखकर तत्काल इसी सूचना हाईवे पेट्रोलिंग एवं बलरामपुर थाने में दी एवं मानवता का परिचय देते हुए घायल संतोष को सड़क के किनारे किया एवं 108 नहीं आ जाने तक मौके पर उपस्थित रहे। सूचना पर तत्काल हाईवे पेट्रोलिंग के अमित मिंज एवं गिरवर सिंह मौके पर पहुंचे। पैर में गंभीर चोट लगने से तड़पते घायल ड्राइवर के द्वारा अपना नाम एवं पता बताया गया था। बलरामपुर जिला चिकित्सालय से रेफर करने के बाद अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज जाने के पूर्व उसकी मौत हो गई।

नागरिक सुरक्षा विषय पर प्रतियोगिता आयोजित

कोरबा(विश्व परिवार)। पुलिस द्वारा भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम के बारे में प्रचार-प्रसार से संबंधित भाषण-वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन रक्षित आरक्षी केंद्र कोरबा में आयोजन किया गया। पुलिस अधीक्षक कोरबा सिद्धार्थ तिवारी (भापुसे) की मंशा है कि नवीन कानूनो का अधिक से अधिक प्रचार प्रसार हो जिससे जनमानस को ज्यादा से ज्यादा जानकारी हो जाये। इस अवसर पर रक्षित केंद्र के सभा कक्षा में मानसिंह यादव (लीगल डिफेंस लॉयर) एवं श्रीमती नीलू त्रिवेदी (डिप्टी चीफ लीगल डिफेंस लॉयर) के द्वारा नवीन कानून के बारे में विस्तार से बताया एवं समझाया गया। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यूबीएस चैहान व श्रीमती नेहा वर्मा, उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय श्रीमती प्रतिभा मरकाम, रक्षित निरीक्षक अनथ राम पैकरा के साथ-साथ गवर्नमेंट पीजी कॉलेज के अध्यापक डॉक्टर दिनेश श्रीवास्तव (सहायक प्राध्यापक हिंदी), सदा कन्या स्कूल ट्रांसपोर्ट नगर के अध्यापक श्रीमती इंदू चंद्रवंशी वह श्रीमती शारदा राठौर उपस्थित रहे। साथ ही साथ पुलिस लाइन के अधिकारी एवं कर्मचारियों ने भी इस कार्यशाला मैं उपस्थित रहे।रक्षित केंद्र कोरबा के सभागार कक्ष में छात्र एवं छात्राओं के द्वारा भाषण वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें गवर्नमेंट पीजी कॉलेज के चार छात्र-छात्राओं ने प्रतियोगिता में हिस्सा लिया साडा कन्या स्कूल ट्रांसपोर्ट नगर के दो छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया एवं रक्षित केंद्र कॉलोनी कोरबा में रहने वाले तीन बच्चों ने इस वाद विवाद पर प्रतियोगिता में बढ़-चढकर हिस्सा लिया। पूरे कार्यक्रम में साडा कन्या स्कूल ट्रांसपोर्ट नगर के 25 छात्र-छात्राओं उपस्थित रहे, गवर्नमेंट पीजी कॉलेज के 04 छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे एवं रक्षित केंद्र कॉलोनी में रहने वाले 09 बच्चों ने भी इस कार्यशाला में उपस्थित रहकर नवीन कानून के बारे में जानकारी प्राप्त किया।

पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बना दुड़मा वाटरफॉल

प्राकृतिक सुंदरता से परिपूर्ण 'दुड़मा वाटरफॉल' ने बनाई अलग पहचान

मनमोहक दृश्य देखने बड़ी संख्या में पहुँच रहे पर्यटक

सुकमा(विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व वाले छत्तीसगढ़ सरकार के द्वारा राज्य में पर्यटन के विकास एवं संभावना को समझते हुए पर्यटक स्थलों को विकसित किया जा रहा है। इसके फलस्वरूप छत्तीसगढ़ में पर्यटन को एक नई पहचान मिली है। स्थानीय लोगों के साथ ही अन्य जिलों से भी लोग छत्तीसगढ़ की इस प्राकृतिक खूबसूरती को निहारने पहुँच रहे हैं। पर्यटन एक ऐसी यात्रा है जो न केवल हमें नये स्थानों से परिचित कराती है बल्कि हमारे सोच को भी समृद्ध बनाती है। पर्यटन हमें नये अनुभव के साथ ही नये लोगों से मिलने का अवसर प्रदान करती है। छत्तीसगढ़ का सुकमा जिला भी अपनी प्राकृतिक सुंदरता और सांस्कृतिक विरासत के लिए प्रसिद्ध है। जिले में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। पर्यटन स्थलों को संवारने जिला प्रशासन और पर्यटन विभाग द्वारा पहल की जा रही है। सुकमा जिले में एक ऐसा ही प्राकृतिक सुंदरता से परिपूर्ण जलप्रपात है, जिसे लोग दुड़मा (हिकमीरास) के नाम से भी जानते हैं। दुड़मा वाटरफॉल सुकमा के नजदीक सबसे अधिक देखी जाने वाली जगहों में से एक है। यह अपनी प्राकृतिक सुंदरता और दर्शनीय स्थलों के साथ पर्यटन को आकर्षित करता है। यह जिला मुख्यालय सुकमा से लगभग 28 किमी की दूरी पर छिंदगढ़ विकासखंड के ग्राम पंचायत चिपुरपाल में पड़ता है। दुड़मा वाटरफॉल ने अपनी प्राकृतिक सुंदरता से छत्तीसगढ़ के पर्यटन में विशेष पहचान बनाई है।यहाँ एक ओर पानी, दूसरी ओर जंगल होने से ठंडकता बनी रहती है, जिससे वर्ष भर लोग मनोरम दृश्य का आनंद लेने आते हैं।दुड़मा वाटरफॉल प्राकृतिक सुंदरता को देखने आने वाले पर्यटकों के लिए काफी चर्चित हो चुका है। दुड़मा की प्राकृतिक सुंदरता ने वीडियो मेकर्स, सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर को अपनी ओर आकर्षित किया है, जिन्होंने इस जगह को और खास बना दिया है। दुड़मा में पिकनिक मनाने पहुँचे श्री मडियम सोड़ी ने बताया कि मुझे इस जगह की प्राकृतिक खुबसुरती के बारे में कई लोगों ने बताया था। आज मैं अपने परिवार के साथ पिकनिक के लिए आया हूँ। हम सभी को यह जगह वाकई में बहुत बेहतरीन लगा है। इसी प्रकार दंतेवाड़ा जिले से अपने दोस्तों के साथ पहुँचे श्री मनसा बघेल ने बताया कि मुझे इस जगह की जानकारी सोशल मीडिया के माध्यम से मिली है। मैंने अपने दोस्तों को इस जगह के बारे में बताया और हम सब जलप्रपात को देखने आ गए। हम सभी यहाँ पर खूब नहाए। हमे यहाँ आकर बहुत अच्छा लग रहा है। जिला प्रशासन सुकमा और पर्यटन विभाग द्वारा दुड़मा में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था भी बेहतर ढंग से की गई है। यहाँ तक पक्की सड़क, मिनी गार्डन, दुकान, पेयजल, शौचालय, सहित बैठक आदि की भी व्यवस्था की गई है।

डीईओ जीआर मंडावी ने वार्षिक परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन के लिए किया प्रोत्साहित

छमाही परीक्षा की समीक्षा बैठक सम्पन्न

सुकमा(विश्व परिवार)। जिला शिक्षा अधिकारी श्री जीआर मंडावी की अध्यक्षता में शुक्रवार को स्वामी विवेकानंद ऑडिटोरियम सुकमा में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में छमाही परीक्षा परिणाम कर स्कूल वार चर्चा की गई। जिन स्कूलों के परीक्षा परिणाम कम थे उनके प्राचार्यों को नोटिस जारी किया गया। 8 जनवरी को जिले के समस्त स्कूलों में पीटीएम आयोजित की जाएगी जिसमें छमाही परीक्षा परिणाम की जानकारी पालकों को दी जाएगी, साथ ही बोर्ड परीक्षा के बारे में चर्चा की जाएगी। परीक्षा पे चर्चा की एंट्री धीमी गति से किए जाने वाले संस्थाओं पर जिला शिक्षा अधिकारी ने कड़ी नाराजगी जाहिर की। अपार आईडी जनरेट करने में जिन संस्थाओं की गति धीमी है उन्हें प्राथमिकता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। कक्षा 5वीं, 8 वीं परीक्षा संपन्न कराने के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। 10 वीं, 12 वीं बोर्ड परीक्षा की तैयारी के संबंध में डीईओ ने चर्चा करते हुए कहा कि प्री बोर्ड परीक्षा का प्रश्न पत्र जिले से जारी की जाएगी जिसके लिए समिति तैयार की गई है जिसके द्वारा प्री बोर्ड परीक्षा के प्रश्न पत्र तैयार किया जा रहा है। साथ ही स्कूल में बच्चों को राज्य शासन से प्राप्त निर्देशानुसार आवश्यक तैयारी करवाएं।

जिला पंचायत सीईओ नम्रता जैन ने सामसट्टी प्राथमिक शाला में कराया न्यौता भोज

स्कूली बच्चों में पौष्टिक भोजन के साथ पढ़ाई में बढ़ी रुचि

सुकमा(विश्व परिवार)।सुकमा जिले में राज्य शासन की महत्वाकांक्षी योजना न्योता भोजन कार्यक्रम का सफल क्रियान्वयन किया जा रहा है। कोंटा विकासखंड के नियद नेल्लानार गांव प्राथमिक शाला सामसट्टी में शुक्रवार को जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नम्रता जैन ने न्यौता भोज कार्यक्रम कराया। इस अवसर पर बच्चों को गरम और पौष्टिक भोजन जैसे चावल, दाल, सब्जी, और लड्डू परोसे गए। भोजन से पहले बच्चों ने हाथ धोने की आदत को अपनाया और साफ-सुथरे हाथों के साथ अपनी खुशी व्यक्त की। श्रीमती नम्रता जैन ने बच्चों के साथ भोजन साझा करते हुए बच्चों के साथ बातचीत की। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नम्रता जैन ने कहा न्योता भोजन योजना बच्चों को बेहतर पोषण और सामुदायिक समर्थन प्रदान कर रही है। यह बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार होने के साथ ही उनके शैक्षणिक प्रदर्शन में भी वृद्धि होगी। राज्य शासन और भारत सरकार की प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना के तहत प्न्योता भोजष् कार्यक्रम को छत्तीसगढ़ में लागू किया गया है। यह कार्यक्रम सामुदायिक भागीदारी पर आधारित है और इसका उद्देश्य बच्चों को पौष्टिक आहार उपलब्ध कराना है। यह सामुदायिक भावना को सशक्त बनाने का माध्यम बन रहा है। बच्चों के व्यवहार और रुचि में सकारात्मक बदलाव न्योता भोजन कार्यक्रम से आता है। न्यौता भोज से बच्चों की भोजन आदतों और स्वास्थ्य में सकारात्मक बदलाव हो रहा है। स्वादिष्ट और पौष्टिक भोजन मिलने से बच्चों में स्कूल जाने की रुचि बढ़ी है।

मंगलसूत्र चोरी करते रंगे हाथ पकड़ाई महिला

कोरबा(विश्व परिवार)। जानकारी के अनुसार कोरबा-पश्चिम क्षेत्र कुसमुंडा के गायत्री मंदिर में 108 कुंडली महायज्ञ में मंगलसूत्र चोरी करते महिला रंगे हाथ पकड़ाई। कुसमुंडा क्षेत्र के नेहरू नगर गायत्री मंदिर में 108 कुंडली महायज्ञ का आयोजन किया गया था। जिसमें शोभायात्रा के दौरान महिलाएं सर पर कलश रखकर कॉलोनी क्षेत्र की परिक्रमा कर रही थी। तब भीड़ का फायदा उठाकर चोर गिरोह की कुछ महिलाएं शामिल हो गई। कार्यक्रम अंतर्गत महिलाओं के गले से सोने के आभूषण व मंगलसूत्र चोरी हो गए थे। इसी कड़ी में समापन अवसर पर खाना खाते समय एक महिला दूसरी महिला के गले से मंगलसूत्र चोरी करती रंगे हाथ पकड़ी गयी। महिला को मंगलसूत्र के साथ थाना लाया गया। पता चला हैं कि महिला दादर क्षेत्र की रहने वाली है।

दूर्गकोन्दल में हो रहे विकास कार्यों का जिला सीईओ ने किया निरीक्षण

आवास निर्माण, समूहों की रोजगमूलक गतिविधियों व निर्माण कार्यों की ली जानकारी

कांकेर(विश्व परिवार)। कलेक्टर श्री नीलेश कुमार महादेव क्षीरसागर के निर्देशानुसार जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री हरेश मण्डावी ने जिले के सुदूर ब्लॉक दुर्गुकोन्दल में शासन की संचालित विभिन्न महत्वाकांक्षी योजनाओं का एवं निर्माण कार्यों के क्रियान्वयन का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान से जुड़ी स्व सहायता समूह की महिलाओं द्वारा की जा रही आजीविका गतिविधियों का अवलोकन किया जिसमें ग्राम पंचायत सुरूगदोह के मां ज्याला स्व-सहायता समूह की महिला की सदस्य उमेश्वरी धाकड़े द्वारा संचालित दुकान, मुर्गीपालन एवं बी.सी. सखी श्रीमती सतिला राना के द्वारा बैंकिग, ऑनलाईन सेवाएं एवं वित्तीय साक्षरता का से संबंधित गतिविधियों का अवलोकन किया। इसी तरह ग्राम पंचायत कोडेकुर्से के शीतला स्व-सहायता समूह के सदस्य द्वारा संचालित हार्डवेयर एवं किराना दुकान का अवलोकन किया व जानकारी ली तथा अन्य विभाग के साथ अभिसरण के माध्यम से लखपति दीदी बनने प्रोत्साहित किया कोडेकुर्से में पीएम श्री स्कूल का निरीक्षण किया। इसी तरह दुर्गुकोन्दल ब्लॉक मुख्यालय में मावा मोदौल कार्यक्रम के तहत स्वीकृत लाईब्रेरी का निरीक्षण किया। ज्ञात हो कि इससे स्थानीय छात्र-छात्राओं को विभिन्न ज्ञानवर्धक पुस्तकें, प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने सभी विषयों की किताबें एक ही स्थान पर प्राप्त हो सकेगी। यह लाईब्रेरी ज्ञान, शिक्षा एवं सांस्कृतिक विकास का एक महत्वपूर्ण केन्द्र होगी। जिला पंचायत सीईओ द्वारा मावा मोदोल लाईब्रेरी का कार्य जल्द से जल्द पूर्ण करने निर्देश संबंधित अधिकारी को दिये। इसी तरह प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत् स्वीकृत आवासों के संबंध में जानकारी ली जिसमें जनपद सीईओ दूर्गुकोदल ने बताया कि आवास नींव स्तर पर 17, प्लींथ स्तर पर 07, लिंटल स्तर पर 10 तथा अप्रारंभ 06 है जिस पर श्री मंडावी ने अप्रारंभ आवास को प्रारंभ करने के निर्देश दिये।

एनएसयूआई ने निकाला संविधान मार्च, हजारों की तादात में उमड़ा छात्रों का हुजूम

धमतरी(विश्व परिवार)। संसद में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह द्वारा संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर पर की गई टिप्पणी और भाजपा सरकार द्वारा देश के संवैधानिक मूल्यों पर लगातार किए जा रहे प्रहारों के खिलाफ कांग्रेस की छात्र इकाई भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन ने विरोध स्वरूप संविधान मार्च निकालकर संविधान की रक्षा का प्रण लिया।। धमतरी के मिशन ग्राउंड से राजीव भवन तक चली इस पद यात्रा में एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष वरुण चौधरी, प्रदेश प्रभारी आकाश चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष नीरज पांडे, विधायक ओंकार साहू,समेत जिले के कई वरिष्ठ कांग्रेसी नेता एनएसयूआई कार्यकर्ता एवं छात्र शामिल हुए। संविधान मार्च के दौरान एनएसयूआई कार्यकर्ता अपने हाथों में बाबा साहब का चलचित्र हाथों में लिए को लेकर चल रहे थे और संविधान बचाओ के नारों से शहर गूंज रहा था।। इस दौरान एनएसयूआई के राष्ट्रीय महासचिव व छत्तीसगढ़ प्रभारी आकाश चौधरी ने कहा कि आज मोदी सरकार द्वारा संविधान की मूल भावना और बुनियादी मूल्यों को ही बदलने की कोशिश हो रही है। यह कुछ संशोधन करने का मामला नहीं है या महज कार्यपालिका द्वारा कुछ निरंकुश अधिकार प्राप्त कर लेने का मामला नहीं है बल्कि यह संविधान की बुनियाद को ही बदलने का मामला है। हमारे संविधान को 75 साल होने जा रहा है और हमारे संविधान की जो मूल भावना है कि यह एक धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणतंत्र है उसे बदलने की बात ये तानाशाही सरकार कर रही जिसके खिलाफ हम लड़ाई लड़ रहे हैं और देश के संविधान की रक्षा और लोकतांत्रिक मूल्यों को सशक्त बनाने का प्रयास कर रहे है। एनएसयूआई जिलाध्यक्ष राजा देवांगन ने कहा संविधान देश के सभी वर्गों के हितों की रक्षा करता है और समानता का अधिकार सुनिश्चित करता है. उन्होंने भाजपा पर आरोप लगाते हुए कहा कि पार्टी समय-समय पर संविधान को कमजोर करने के षड्यंत्र कर रही है, पर एनएसयूआई और कांग्रेस इस षड्यंत्र का दृढ़ता से विरोध करेगी. मोदी सरकार ने एक एक कर सारी संवैधानिक संस्थाओं की स्वायत्तता खत्म कर उन्हें अपनी जेबी संस्थाओं में तब्दील कर दिया, विपक्षी नेताओं को केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल करके डराने धमकाने की कोशिश हुई। जो डर गए, उन्हें इनाम देकर पार्टी में शामिल कर लिया गया और जो तैयार नहीं हुए उन्हें तरह तरह से परेशान किया गया, कई को जेलों में डाल दिया गया और लोकतंत्र की निर्मम हत्या कर दी और संविधान पर लगातार प्रहार किया जा रहा है लेकिन देश के संविधान को बचाने और लोकतंत्र की रक्षा के लिए एनएसयूआई हर जद्दोजहद करेगी।। इस संविधान मार्च में विधायक ओंकार साहू, महापौर, विजय देवांगन, मोहन लालवानी पंकज महावर, ?मनोज साहू सूर्य प्रभाचेतियार,शास्त्री सोनवानी, आकाश गोलछा ,राजेश साहू, विक्रांत शर्मा, कृष्णा मरकाम, हितेश गंगवीर, ऋषभ यादव,पारसमणी साहू, ओम मानिकपुरी, नोमेश सिंह, अरविंद यादव, चितेन्द्र साहू, तेजप्रताप साहू, उमेश साहू, फैजल खान, प्रिंस साहू एनएसयूआई के हजारो कार्यकर्ता उपस्थित रहे।।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

खेल-व्यापार

रायपुर मंगलवार 07 जनवरी 2025

व्यापार समाचार

48 करोड़ रुपए हर दिन... भारतीय मूल के जगदीप सिंह बने दुनिया के सबसे ज़्यादा वेतन पाने वाले कर्मचारी

नई दिल्ली(एजेंसी)। आज के दौर में, जब दुनियाभर में नई कंपनियां स्थापित हो रही हैं और तेज़ी से विकास कर रही हैं, ज़्यादा वेतन पाने वाले कर्मचारियों की संख्या में भी वृद्धि हो रही है। इस बीच, एक भारतीय मूल के व्यक्ति, जगदीप सिंह, ने दुनिया में सबसे ज़्यादा वेतन पाने वाले कर्मचारी बनकर इतिहास रच दिया है। उनकी वार्षिक आय 17,500 करोड़ रुपए (लगभग 2.1 अरब डॉलर) है। जगदीप सिंह टेक्नोलॉजी और स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में काम करने वाली कंपनी क्रांटमस्केप के पूर्व सीईओ हैं। उनका नेतृत्व भारतीय उद्यमियों के बढ़ते प्रभाव का प्रतीक है। उनकी प्रतिदिन की औसत कमाई लगभग 48 करोड़ है, जो उनकी कंपनी के उत्कृष्ट वित्तीय प्रदर्शन को दर्शाती है। मनीकंट्रोल की एक रिपोर्ट के अनुसार, जगदीप सिंह ने स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी से बी.टेक और यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया, बर्कले से एमबीए की डिग्री हासिल की है। इस मज़बूत शैक्षणिक पृष्ठभूमि और विभिन्न कंपनियों में एक दशक से ज़्यादा के अनुभव ने उन्हें 2010 में क्रांटमस्केप लॉन्च करने के लिए ज़रूरी कौशल प्रदान किए। जगदीप सिंह के नेतृत्व में, क्रांटमस्केप इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए ऊर्जा भंडारण समाधान में एक अग्रणी कंपनी बन गई है। यह कंपनी ठोस-अवस्था वाली बैटरियों के विकास पर ध्यान केंद्रित कर रही है, जो पारंपरिक लिथियम-आयन बैटरियों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन, तेज़ चार्जिंग समय और बेहतर सुरक्षा का वादा करती हैं। जगदीप सिंह ने हाल ही में क्रांटमस्केप के सीईओ पद से इस्तीफ़ा दे दिया है और फरवरी 2024 में शिवा शिवराम को यह पद सौंपा है, लेकिन वे कंपनी के निदेशक मंडल में बने रहेंगे। उनके कार्यकाल के दौरान, क्रांटमस्केप ने काफ़ी विकास किया, जिसका उनके प्रभावशाली वेतन पैकेज पर भी असर पड़ा, जिसमें 2.3 बिलियन डॉलर तक के स्टॉक विकल्प शामिल हैं।

भारत के सौर पैनल निर्यात में उछाल, दुनिया के लिए अब चीन नहीं केवल एकमात्र विकल्प

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारत सौर फोटोवोल्टिक (पीवी) सेल के एक प्रमुख निर्यातक के रूप में उभर रहा है, क्योंकि दूसरे देश जलवायु परिवर्तन से लड़ने के लिए रिन्यूएबल एनर्जी पर स्विच करने के लिए सप्लाई के स्रोत के लिए चीन के विकल्प की तलाश कर रहे हैं। भारत ने वित्त वर्ष 2025 में अप्रैल-अक्टूबर तक की अवधि में मॉड्यूल या पैनल में असेंबल किए गए 711.95 मिलियन डॉलर के पीवी सेल का निर्यात किया, इसमें से 96 प्रतिशत शिपमेंट अमेरिका गए, जो दिखाता है कि दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था चीन से दूर हो रही है। भारत ने अप्रैल-अक्टूबर वित्त वर्ष 2025 में मॉड्यूल में असेंबल नहीं किए गए 25 मिलियन डॉलर के फोटोवोल्टिक सेल का भी निर्यात किया, इसमें से 90 प्रतिशत निर्यात अमेरिका गया। अमेरिका भारतीय सौर फोटोवोल्टिक (पीवी) मॉड्यूल के लिए भी एक प्रमुख निर्यात बाजार था, जो वित्त वर्ष 2023 और वित्त वर्ष 2024 में देश के सौर पीवी निर्यात का 97 प्रतिशत से अधिक था। इंस्टीट्यूट फॉर एनर्जी इकोनॉमिक्स एंड फाइनेंशियल एनालिसिस (आईईईएफए) और जेएमके रिसर्च एंड एनालिटिक्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत सौर फोटोवोल्टिक (पीवी) प्रोडक्ट के शुद्ध आयातक से शुद्ध निर्यातक बनने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति कर रहा है, जिसका निर्यात मूल्य वित्त वर्ष 2022 से 23 गुना बढ़कर वित्त वर्ष 2024 में 2 बिलियन डॉलर हो गया। रिपोर्ट की लेखिका, आईईईएफए की निदेशक (दक्षिण एशिया) विभूति गर्ग ने कहा, अमेरिकी बाजार पर ध्यान केंद्रित करने से भारतीय पीवी मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम को फायदा मिल सकता है। इससे भारतीय पीवी निर्माताओं के उत्पाद की गुणवत्ता और प्रतिस्पर्धात्मकता में वृद्धि होगी। उन्होंने कहा, लेकिन, लंबे समय में भारत को वास्तव में वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करने के लिए, भारतीय पीवी निर्माताओं को अपस्ट्रीम बैकवर्ड इंटीग्रेशन पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। इससे भारत को मौजूदा बाजारों में अपनी पैठ बनाए रखने में मदद मिलेगी, जबकि यूरोप, अफ्रीका, लैटिन अमेरिका आदि जैसे बाजारों को अनलॉक करने में मदद मिलेगी। साथ ही, रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारत में पीवी निर्माताओं के लिए बढ़ते निर्यात बाजार की जरूरतों को पूरा करने के साथ-साथ घरेलू उपलब्धता को संतुलित बनाए रखने पर ध्यान देना होगा।

बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में ऊंचे स्तर की क्रिकेट देखी गई : पूर्व क्रिकेटर

नई दिल्ली(एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया द्वारा भारत पर 3-1 से जीत हासिल करने और एक दशक में पहली बार बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी जीतने के बाद, पूर्व क्रिकेटरों ने प्रतियोगिता पर अपने विचार साझा किए, और श्रृंखला के परिणाम को उच्चतम गुणवत्ता का क्रिकेट तमाशा बताया। पांचवें और अंतिम बॉर्डर-गावस्कर टेस्ट में भारत पर 6 विकेट से जीत हासिल करने के बाद, ऑस्ट्रेलिया ने जून में लॉर्ड्स में होने वाले फाइनल में भी अपनी जगह पक्की कर ली। इस जीत ने ऑस्ट्रेलिया को संभावित अंकों के 63.73 अंक प्रतिशत पर पहुंचा दिया, जिससे भारत (संभावित अंकों का 50.00 प्रतिशत) चक्र के अपने अंतिम टेस्ट मैच में स्थान पाने से वंचित हो गया। पूर्व भारतीय क्रिकेटर वसीम जाफर ने एक्स पर लिखा, शायद ही कभी कोई प्रतिष्ठित सीरीज उम्मीदों पर खरी उतरती है; बीजीटी एक अपवाद है जो हर बार उम्मीदों से बढ़कर प्रदर्शन करती है। यह पूरी तरह से इस बात के कारण है कि खिलाड़ियों के लिए यह ट्रॉफी कितनी मायने रखती है और वे इसे जीतना कितना चाहते हैं। इसका नतीजा क्रिकेट के लिए सबसे बेहतरीन प्रदर्शन है। बधाई हो ऑस्ट्रेलिया, विजेता बनने के हकदार हैं। रोहित शर्मा, विराट कोहली, रवींद्र जडेजा जैसे भारत के वरिष्ठ खिलाड़ी अपने बल्ले से जादू दिखाने में विफल रहे हैं और जसप्रीत बुमराह पूरी सीरीज में भारत के लिए अकेले योद्धा रहे हैं। हालांकि, बुमराह, जिन्हें 32 विकेट लेने के लिए प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया था, पीठ में ऐंठन के कारण सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर ऑस्ट्रेलिया की दूसरी बल्लेबाजी पारी में नहीं खेल पाए और उनकी जगह मोहम्मद सिराज ने प्रसिद्ध कृष्णा के साथ नई गेंद साझा की, जिन्होंने 161 रन के बचाव में तीन विकेट लिए। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने एक्स पर पोस्ट किया, वह कई बार विनाशकारी साबित हुए, इसलिए जसप्रीत बुमराह को प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना जाना कोई आश्चर्य की बात नहीं है।

हमें इस उपलब्धि पर गर्व, ये हमारे जीवन का सबसे खास समय : पैट कमिंस

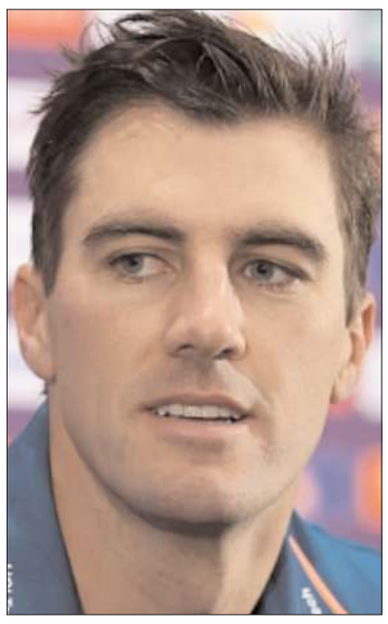

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने 2024/25 सीजन में पहली बार बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी जीती। इससे पहले उन्होंने कभी यह प्रतिष्ठित ट्रॉफी नहीं जीती थी। इस जीत से उन्होंने और उनकी टीम ने एक दशक बाद सीरीज अपने नाम की। सिडनी में भारत को छह विकेट से हराने के बाद 3-1 से सीरीज जीतने पर कमिंस ने कहा कि अपनी धरती पर यह जीत हासिल करना बहुत खास है। उन्होंने कहा, यह अविश्वसनीय है। यह वो ट्रॉफी थी जो कुछ खिलाड़ियों के पास नहीं थी। सबकी नजर इस पर थी और इसने उम्मीदों पर खरा उतरा। हमने अपनी योजनाओं को साफ रखा। हमारा मकसद रन रोकना था। हमें पता था कि पिच चुनौतीपूर्ण होगी। बल्लेबाजों ने अच्छी रणनीति अपनाई और आखिर में सब सही रहा। कमिंस ने अपनी टीम पर गर्व जताते हुए कहा, हमने एक ग्रुप के रूप में बहुत समय बिताया। पर्थ का अनुभव उतना बुरा नहीं था जितना लगा। इस सफर में हमें मजा भी आया और सफलता भी मिली। जो हमने हासिल किया, उस पर हमें गर्व है। यह हमारे जीवन का सबसे खास समय है, और हमें खुशी है कि इसे एक साथ जी रहे हैं। उन्होंने इस सीरीज को अपने टेस्ट करियर की सबसे पसंदीदा सीरीज बताया। खासकर तब जब पांच मैचों में कुल 8,37,879 दर्शकों ने मैच देखे। कमिंस ने कहा, यह मेरी सबसे पसंदीदा सीरीज में से एक रहेगी। रोहित और जसप्रीत को धन्यवाद। फैंस ने इसे खास बना दिया। यह दिखाता है कि टेस्ट क्रिकेट सबसे बेहतरीन फॉर्मेट क्यों है। हर मैदान का माहौल शानदार था। एमसीजी बेहतरीन था, और सिडनी में तीन बार स्टेडियम खचाखच भरा। पिंक टेस्ट कैलेंडर में खास जगह रखता है। यह वो है, जिसके साथ मैं बड़ा हुआ हूं। हम एक महान उद्देश्य का जश्न मना रहे हैं। कमिंस ने सीरीज में डेब्यू करने वाले नाथन मैकस्वीनी, सैम कोंस्टास और ब्यू वेबस्टर की तारीफ की। साथ ही ट्रेविस हेड और स्टीव स्मिथ जैसे अनुभवी बल्लेबाजों को भी सराहा। उन्होंने कहा, इस सीरीज में तीन खिलाड़ियों ने डेब्यू किया और सभी ने शानदार योगदान दिया। आज ब्यू वेबस्टर ने बेहतरीन खेल दिखाया। कमिंस ने अपनी परफॉरमेंस पर बात करते हुए कहा, मैं सीरीज में अपने प्रदर्शन से खुश हूं। कुछ अहम मौकों पर हमारे मुख्य खिलाड़ी आगे आए और टीम के लिए बड़ी भूमिका निभाई। भारत जैसी मजबूत टीम को हराने के लिए यही जरूरी है। इस मैच के हीरो स्कॉट बोलैंड, जिन्हें 10-76 के आंकड़े के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। उन्होंने इस जीत को खास बताया। उन्होंने कहा, यह शानदार अनुभव है। पिछले कुछ महीनों का सफर बहुत मजेदार रहा। मुझे नहीं लगा था कि मैं इस सीरीज में ज्यादा भूमिका निभा पाऊंगा। लेकिन मैंने अपनी तैयारी की और सही समय पर योगदान दिया। 3-1 से भारत के खिलाफ जीतना एक बड़ा पल है। मैं खुश हूं कि टीम की सफलता में अपनी भूमिका निभा सका।

विश्व स्तरीय डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर बनाने के बाद भारत अब रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर में उठा रहा बड़े कदम

नई दिल्ली(एजेंसी)। विश्व स्तरीय डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर बनाने के बाद भारत रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर में तेजी से कार्य कर रहा है। यह बयान टाटा ग्रुप के चेयरपर्सन एन चंद्रशेखरन द्वारा दिया गया। देश में रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता 214 गीगावाट पर पहुंच गई है और 2030 तक 500 गीगावाट की गैर-जीवाश्म ईंधन क्षमता विकसित करने के लक्ष्य की तरफ तेजी से बढ़ रहा है। चेन्नई में एनआईटी त्रिची के 'ग्लोबल एलुमनाई मीट (जीएएम) 2025' को संबोधित करते हुए चंद्रशेखरन ने कहा कि हमारी रिन्यूएबल आधारित बिजली उत्पादन क्षमता 45 प्रतिशत तक पहुंच गई है, जो पिछले दशक में लगभग 30 प्रतिशत थी। उन्होंने अपने संबोधन में आगे कहा कि यह पर्याप्त नहीं है क्योंकि अगर आपको पेरिस में तय किए गए 1.5 डिग्री के लक्ष्य को हासिल करना है तो इस दशक में वैश्विक कार्बन उत्सर्जन में 43 प्रतिशत की कमी लानी होगी। इसके उल्टा 2019 से 2024 के बीच हम दूसरी दिशा में चले गए हैं, इसमें 3.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि यह है कि इस योजना के तहत 6.85 लाख से ज्यादा इंस्टॉलेशन हुए हैं और यह लगभग एक साल में एक दशक की गई सौर वृद्धि को पार करने की दहलीज पर है। इस साल फरवरी में लॉन्च होने के बाद से 6,85,763 इंस्टॉलेशन के साथ यह योजना पहले ही एक दशक में लगाए गए इंस्टॉलेशन के 86 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है।

बुमराह सबसे मुश्किल गेंदबाज, जिनका मैंने करियर में सामना किया : ख्वाजा

सिडनी(एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के ओपनर उस्मान ख्वाजा ने कहा कि भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह उनके क्रिकेट करियर के सबसे कठिन गेंदबाज हैं, जिनका सामना उन्होंने किया है। बुमराह ने इस सीरीज में 5 मैचों में 32 विकेट लिए, जिसमें उन्होंने 13.06 की औसत और 28.37 के स्ट्राइक रेट से गेंदबाजी की। उन्होंने प्लेयर ऑफ द सीरीज का अवॉर्ड जीता, हालांकि भारत 3-1 से सीरीज हार गया। ख्वाजा ने एबीसी स्पोर्ट से कहा, मुझे बस बुमराह का सामना करना पड़ रहा था। अफसोस है कि वह चोटिल हो गए, लेकिन हमारे लिए यह राहत की बात थी। आज के विकेट पर उनका सामना करना बुरा सपना होता। जब हमने देखा कि वह मैदान पर नहीं हैं, तो हमें लगा कि अब हमारे पास मौका है। वह सबसे कठिन गेंदबाज हैं जिनका मैंने सामना किया है। उन्होंने युवा बल्लेबाज सैम कोंस्टास के साथ बल्लेबाजी का अनुभव भी साझा किया। उन्होंने कहा, मैंने कभी किसी को इतना आत्मविश्वासी नहीं पाया। वह एक ऐसा इंसान है जो अपनी बात मुस्कान के साथ कहता है, और यह काफी आकर्षक लगता है। बुमराह के पीठ की समस्या के कारण तीसरे दिन गेंदबाजी नहीं करने पर ऑस्ट्रेलिया को बड़ी राहत मिली। बाएं हाथ के बल्लेबाज ट्रेविस हेड ने प्रसारकों से बातचीत में कहा, मुझे लगता है कि 15 लोग खुश थे कि बुमराह ने आज गेंदबाजी नहीं की। वह शानदार खिलाड़ी हैं और उनका प्रदर्शन अद्भुत था। हेड ने अपनी 34 रनों की नाबाद पारी और उस्मान ख्वाजा के साथ चौथे विकेट के लिए 46 रनों की साझेदारी के बारे में कहा, इस साझेदारी से मुझे भरोसा हो गया कि हम लक्ष्य तक आसानी से पहुंच जाएंगे।

लूसी हैमिल्टन को अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप के लिए ऑस्ट्रेलिया का कप्तान बनाया गया

सिडनी(एजेंसी)। तेज गेंदबाज लूसी हैमिल्टन को 18 जनवरी से मलेशिया में शुरू होने वाले आगामी आईसीसी अंडर-19 महिला टी-20 विश्व कप के लिए ऑस्ट्रेलिया का कप्तान बनाया गया है। लेग स्पिनर हसरत गिल को 16 टीमों के इस टूर्नामेंट के लिए उप-कप्तान नियुक्त किया गया है। साल 2023 में लूसी 16 साल की उम्र में दक्षिण अफ्रीका में आयोजित आईसीसी अंडर-19 महिला टी-20 विश्व कप में हिस्सा ले चुकी हैं। वह लगातार दूसरी बार अंडर-19 विश्व कप में खेलेंगी। इस ऑलराउंडर ने 2022 में क्वींसलैंड फायर के लिए 15 साल की उम्र में अपना पहला मैच खेला था, जिससे वह राज्य की दूसरी सबसे कम उम्र की डेब्यू खिलाड़ी बन गई थीं, जबकि उन्होंने 16 साल की उम्र में डब्ल्यूबीबीएल में डेब्यू किया था। बाएं हाथ से तेज गेंदबाजी करने वाली लूसी डब्ल्यूबीबीएल के इतिहास में पांच विकेट लेने वाली सबसे कम उम्र की क्रिकेटर बनी, जब उन्होंने पिछले साल नवंबर में ड्रमॉयन ओवल में मेलबर्न स्टार्स के खिलाफ ब्रिस्बेन हीट के लिए चार ओवर में 5-8 विकेट लिए थे। कप्तान बनाए जाने पर तेज गेंदबाज लूसी हैमिल्टन ने कहा, अंडर 19 विश्व कप के लिए ऑस्ट्रेलिया का कप्तान बनाया जाना एक बहुत बड़ा सम्मान है, मैं अपनी टीम का नेतृत्व करने के अवसर के लिए अविश्वसनीय रूप से आभारी हूं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) द्वारा जारी एक बयान में लूसी ने कहा, मैं ऑस्ट्रेलिया के लिए फिर से खेलने को लेकर रोमांचित हूं, विश्व कप युवा खिलाड़ियों के लिए सबसे बड़ा उत्सव है और एक टीम के रूप में हम अपने सामने मौजूद अवसर का लाभ उठाने के लिए उत्साहित हैं। इस ऑलराउंडर ने इस सीजन में डब्ल्यूबीबीएल में 12 विकेट लेकर संयुक्त रूप से सातवें सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली खिलाड़ी का स्थान हासिल किया। लूसी में वह प्रतिभा है जिसके दम पर उन्होंने विश्व कप में अपने देश का नेतृत्व करने का मौका पूरी तरह से अर्जित किया है। ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 कोच क्रिस्टन बीम्स ने कहा, विश्व मंच पर वह इससे पहले प्रदर्शन और अपनी क्षमता दिखा चुकी हैं और हम इस बात को लेकर उत्साहित हैं। लूसी हमारी टीम की कप्तान होंगी और उन्हें पूरी टीम का सपोर्ट हासिल है। ऑस्ट्रेलिया टीम: लूसी हैमिल्टन (कप्तान), क्लो ऐंसवर्थ, लिली बैसिंगथवेट, काओइम ब्रे, एला ब्रिस्को, मैगी क्लार्क, हसरत गिल (उपकप्तान), एमी हंटर, सारा कैनेडी, एलेनोर लारोसा, ग्रेस लियोन्स, इनेस मैककॉन, जूलियट मॉर्टन, केट पेले और टेगन विलियमसन।

भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा मेट्रो रेल नेटवर्क वाला देश बना

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारत में मेट्रो रेल नेटवर्क का तेजी से विस्तार हो रहा है। अब देश में मेट्रो रेल नेटवर्क की कुल लंबाई बढ़कर 1000 किमी तक पहुंच गई है। इस बड़े नेटवर्क के साथ, भारत अब चीन और अमेरिका के बाद दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा मेट्रो रेल नेटवर्क वाला देश बन गया है। दिल्ली ने 2002 में अपनी मेट्रो यात्रा की शुरुआत की थी, जब पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने दिल्ली के लोगों को पहली मेट्रो दी और आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दिल्ली वासियों को नई मेट्रो परियोजनाओं और नमो भारत का उपहार दे रहे हैं। पीएम मोदी के नेतृत्व में इसका परिवर्तन और विस्तार अभूतपूर्व रहा है, खासकर 2014 के बाद से। पिछले दशक में मेट्रो नेटवर्क में तीन गुना वृद्धि हुई है। मेट्रो नेटवर्क 2014 में केवल 248 किलोमीटर से बढ़कर अब 1000 किलोमीटर हो गया है। आज 11 राज्यों के 23 शहरों में मेट्रो रेल नेटवर्क है। 2014 में यह केवल 5 राज्यों और 5 शहरों में था। आज मेट्रो में प्रतिदिन एक करोड़ से ज्यादा लोग यात्रा करते हैं, जो 2014 के 28 लाख यात्रियों की तुलना में 2.5 गुना अधिक बढ़ोतरी है। वहीं, मेट्रो ट्रेनें आज प्रतिदिन कुल 2.75 लाख किलोमीटर की यात्रा करती हैं, जो एक दशक पहले के रोजाना 86 हजार किलोमीटर का तीन गुना है। प्रधानमंत्री मोदी के विजन के तहत, केंद्र सरकार लाखों नागरिकों के लिए यात्रा की सुविधा और जीवन की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए निर्बाध, किफायती और आधुनिक शहरी परिवहन प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। इन परिवर्तनकारी प्रयासों के तहत, पीएम मोदी रविवार को साहिबाबाद आरआरटीएस स्टेशन से न्यू अशोक नगर आरआरटीएस स्टेशन तक नमो भारत ट्रेन की यात्रा करने वाले हैं। पीएम मोदी की यह यात्रा दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ नमो भारत कॉरिडोर के 13 किलोमीटर लंबे हिस्से के उद्घाटन का प्रतीक होगी।

आईआईएम रायपुर ने युवा संगम के तहत छत्तीसगढ़ के प्रतिनिधियों को असम यात्रा के लिए रवाना किया

रायपुर। भारतीय प्रबंध संस्थान (भा.प्र.सं.) रायपुर ने सोमवार को भारत सरकार की प्रमुख योजना, एक भारत श्रेष्ठ भारत के अंतर्गत युवा संगम चरण 5 पहल के तहत छत्तीसगढ़ से असम के लिए छात्रों के दल को रवाना किया। यह सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम भारत के युवाओं के बीच एकता, समझ और सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित किया गया है, जिससे उन्हें विभिन्न संस्कृतियों, परंपराओं और समुदायों को जानने का अनूठा अवसर मिलता है।

भा.प्र.सं. रायपुर के मदई सभागार में आयोजित ध्वज-प्रस्थान समारोह में रायपुर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक अमरेश मिश्रा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, युवा संगम सिर्फ एक यात्रा नहीं है—यह भारत की समृद्ध विविधता को नजदीक से अनुभव करने और समझ व सहयोग के सेतु बनाने का अवसर है। असम की यात्रा के दौरान मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि इस अनुभव को पूरी तरह से अपनाएं, क्षेत्र की परंपराओं और मूल्यों से सीखें और उस एकता की भावना को आगे बढ़ाएं जो हमारे राष्ट्र को परिभाषित करती है।

कार्यक्रम के अवसर पर आईआईएम रायपुर के निदेशक, प्रो. राम कुमार काकानी ने कहा, हम आईआईएम रायपुर में उन पहलों का हिस्सा बनने पर अत्यंत गर्व महसूस करते हैं, जो राज्यों के बीच एकता के बंधन को मजबूत करती हैं। युवा संगम चरण-5 भारत की विविधता का उत्सव मनाने और साझा लक्ष्यों की ओर मिलकर काम करने की भावना को दर्शाता है। यह यात्रा न केवल छात्रों के दृष्टिकोण को व्यापक बनाएगी, बल्कि उनमें सांस्कृतिक सद्भाव और राष्ट्रीय एकता के दूत बनने का आत्मविश्वास भी पैदा करेगी।

छत्तीसगढ़ के प्रतिभागियों ने कार्यक्रम को लेकर अपनी उत्सुकता और असम की समृद्ध विरासत और परंपराओं को जानने की अपनी इच्छा साझा की। उन्हें युवा संगम चरण 5 में अपनी भागीदारी को चिह्नित करने के लिए प्रतीकात्मक स्मृति चिह्न प्रदान किए गए।

मुख्य अतिथि ने आधिकारिक रूप से दल को रवाना किया, जो प्रतिभागियों के लिए एक परिवर्तनकारी यात्रा की शुरुआत का प्रतीक था।

आने वाले पांच दिनों में, छत्तीसगढ़ के प्रतिभागी असम की जीवंत संस्कृति, ऐतिहासिक स्थलों और सामुदायिक जीवन का अन्वेषण करेंगे, राज्य की परंपराओं और मूल्यों को गहराई से समझेंगे।

एक्सेल ने भारत के लिए जुटाया 650 मिलियन डॉलर का नया फंड, ताकि अगली पीढ़ी के विभिन्न श्रेणियों को पुनर्परिभाषित करने वाले स्टार्टअप को दिया जा सके बढ़ावा

रायपुर। अग्रणी वैश्विक वेंचर कैपिटल (उद्यम पूंजी) फर्म, एक्सेल ने आज घोषणा की कि उसने भारत और दक्षिण-पूर्व एशिया में साहसी संस्थापकों (बोल्ड फाउंडर) के समर्थन के लिए समर्पित 650 मिलियन डॉलर का प्रारंभिक चरण (अर्ली स्टेज) का फंड जुटाया है। एक्सेल का नवीनतम फंड, भारत और एसईए में इसका आठवां फंड है और यह शुरुआती चरण के संस्थापकों के साथ भागीदारी करने की इसकी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाएगा, ताकि ऐसे विघटनकारी, विभिन्न श्रेणियों को पुनर्परिभाषित करने वाले व्यवसाय का निर्माण किया जा सके जो सार्थक प्रभाव पैदा करें। एक्सेल के पास 40 से अधिक साल का अनुभव और वैश्विक मंच है और वह संस्थापकों को उनके डोमेन में नेतृत्व करने के लिए आवश्यक सलाह, नेटवर्क और सहायता प्रदान करती है। इस फंड के साथ, एक्सेल एआई, उपभोक्ता ब्रांड, फिनटेक और विनिर्माण में संस्थापकों के साथ भागीदारी करना जारी रखेगी। फर्म ने इनमें से हर थीम के भीतर ध्यान देने योग्य उप-श्रेणियों की पहचान की है: आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस: एंटरप्राइज एआई (ऐसे प्लेटफॉर्म जो एजेंटिक टेक्नोलॉजी, एलएलएम और एसएलएम का उपयोग कर एंटरप्राइज एआई उपयोग मामलों को सक्षम करते हैं), सॉफ्टवेयर के रूप में सेवा (बेहतर ऑटोमेशन पेशकश प्रदान करने के लिए भारत की बड़ी आईटी सेवा क्षमताओं का लाभ उठाने वाले एआई स्टार्टअप), वर्टिकल एआई (वर्टिकल विशिष्ट उपयोग मामलों में एआई को एकीकृत करने के लिए भारत के बड़े एआई टैलेंट पूल का लाभ उठाने वाले स्टार्टअप)।

उपभोक्ता: भारत (भारत के टियर 2+ क्षेत्रों में शीर्ष 30त्न परिवारों की जरूरतों को पूरा करने वाले स्टार्टअप), इंडिया नेटिव (उच्च सेवा स्तरों के लिए भारतीय उपभोक्ताओं की बढ़ती मांग को पूरा करने वाले स्टार्टअप)।

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

रायपुर, मंगलवार 07 जनवरी 2025

जिले में आज 13,200 मीट्रिक टन धान खरीदी

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर जिले में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर जिले के सभी उपार्जन केंद्रों में धान की खरीदी की जा रही है। अब तक 139 उपार्जन केंद्रो से 11 करोड 90 लाख रूपए लागत का 5 लाख 17 हजार 601 मीट्रिक टन धान की खरीदी की जा चुकी है। वहीं आज जिले में 30 करोड 37 लाख रूपए कीमत पर 2755 किसानों से 13 हजार 200 टन धान खरीदी की गई।

संक्षिप्त समाचार

27 वर्षों बाद सरस्वती ज्ञानोदय मंदिर के 96-97 बैच के छात्रों का रीयूनियन कार्यक्रम होटल सिमरन इंटरनेशनल पंडरी में हुआ

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर दिनाँक 5 जनवरी, लगभग 27 वर्षो के बाद सरस्वती ज्ञानोदय मंदिर के 96-97 बैच के छात्रों का रीयूनियन कार्यक्रम दिनाँक 5 जनवरी को होटल सिमरन इंटरनेशनल पंडरी में हुआ। जिसमें की उस बैच के सभी छात्र डॉ. कमलेश अग्रवाल हॉस्पिटल, डॉ. आतिश कपिल, डॉ. संजीव अवसरें, भोमराज तिवारी, विकल्प ठाकुर, किशोर कश्यप, जयशंकर पटेल, योगेश पटेल, पंकज पटेल, प्रज्वल ढोक, मनीष खंडेलवाल, दीपक खंडेलवाल, मनीष अवस्थी, विष्णु जोशी, विकास जैन, नितेश गिरिगोस्वामी, विनोद जैन, समीक्षा नामदेव, सुचिता शर्मा, शिम्पा अग्रवाल, ममता जैन, ज्योति आहुजा, स्वेता सिंग, लता पटेल, तकरीबन 25 छात्र छात्राएं उपस्थित रही। बचपन को याद करते हुए सभी ने काफी मनोरंजक कार्यक्रम जैसे गेम्स, डांस, सिंगिंग का आनंद लिया।

आरंग वासी पढ़ रहे हैं नगर का गौरवशाली इतिहास, डिजिटल बार कोड बना आकर्षण का केन्द्र

आरंग (विश्व परिवार)। धार्मिक और ऐतिहासिक नगरी के नाम से सुविख्यात नगरी है आरंग। जहां का प्राचीन इतिहास काफी समृद्ध रहा है। वहीं नगर के स्वयंसेवी सामाजिक संगठन पीपला वेलफेयर फाउंडेशन के सदस्यों ने आरंग के प्राचीन गौरवशाली इतिहास को कलेंडर के रूप में घर घर पहुंचकर वितरण कर नव-वर्ष की बधाई, शुभकामनाएं दे रहे हैं। जिसे पढ़कर लोगों में गजब का उत्साह देखा जा हैं, लोग आरंग के गौरवशाली इतिहास पढ़कर अपने आपको गौरवान्वित महसूस कर पीपला फाउंडेशन की इस मुहिम को अनूठी पहल बता रहे हैं। कलेंडर में एक बारकोड स्कैनर बनाया गया है। जिसे स्कैन करते ही आरंग के विभिन्न मंदिरों व गौरवशाली इतिहास संबंधी जानकारी मिल रही है।इस तरह डिजिटल बारकोड लोगो को खूब आकर्षित कर रहा। लोग बड़े कौतूहल से बारकोड को स्कैन कर आरंग का गौरवशाली इतिहास पढ़, समझ रहे हैं।साथ ही इस बारकोड में भगवान श्रीराम का ननिहाल चंदखुरी धाम, प्राचीन नगरी रींवा व संत गुरु गुरुघांसी की कर्मभूमि भंडार पुरीधाम की जानकारी देख रहे है। वहीं इस मुहिम में प्रमुख रूप से फाउंडेशन के संयोजक महेन्द्र कुमार पटेल, कोषाध्यक्ष कोमल लाखोटी, सक्रिय सदस्य प्रतीक टोंड्रे, रमेश देवांगन, संजय मेश्राम, होरीलाल पटेल, अशोक साहू, नीरज साहू, अश्विनी शंख, दिलीप चंद्राकर, टेकराम लोधी अहम् भूमिका निभा रहे हैं।

भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा आयोजित 'Standards Carnival' कार्यक्रम का आज से आगाज़

रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय मानक ब्यूरो जो भारत का राष्ट्रीय मानक निकाय है जो मानकीकरण, मुहरांकन और सामान की गुणवत्ता प्रमाणन की गतिविधियों के सुमेलित विकास और इसके साथ जुड़े मामलों या आकस्मिक मामलों के सुमेलित विकास के लिए कार्य करता है। ज्ञात हो की भारतीय मानक ब्यूरो के 78 वें स्थापना दिवस के उपलक्ष में "Standards Carnival" मेले का अयोजन किया गया है। आज 7 जनवरी 2025 को कलिंगा विश्वविद्यालय, नवा-रायपुर एवं 1 जनवरी 2025 केंद्रीय पेट्रोरसायन अभियांत्रिकी एवं पौद्योगिकी संस्थान (CIPET) रायपुर में कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम में विभिन्न उद्योगों एवं सरकारी विभागों द्वारा भारतीय मानक के उत्पाद निर्माण में गुणवत्ता को बनाए रखने के लिए भारतीय मानक की महत्वता को दशति हुए स्टॉल लगाए जाएंगें। इस अवसर पर स्कूली छात्रों के लिए विभिन्न गतिविधियां जैसा कि- क्विज प्रतियोगिता, पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता, सांस्कृतिक कार्यक्रम इत्यादि के साथ-साथ Game Zone की व्यवस्था की जाएगी। इस Standards Carnival में कई शैक्षणिक संस्थानों के छात्र हिस्सा लेगें।

कर्मचारियों की जरूरतों व मांगों को लेकर संवेदनशील है सरकार : अरुण साव

नगरीय निकाय अधिकारी-कर्मचारी अधिवेशन में शामिल हुए उप मुख्यमंत्री अरुण साव

रायपुर (विश्व परिवार)। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव आज रायपुर के स्वर्गीय बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में आयोजित छत्तीसगढ़ नगरीय निकाय अधिकारी-कर्मचारी अधिवेशन में शामिल हुए। नगरीय निकायों के विभिन्न अधिकारी-कर्मचारी संघों द्वारा प्रदेश में पहली बार प्रांतीय अधिवेशन का आयोजन किया गया था। उप मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में ईव्ही फास्ट चार्जिंग स्टेशन का शुभारंभ भी किया। रायपुर के सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल और विधायकगण सर्वश्री सुनील सोनी और पुरंदर मिश्रा भी अधिवेशन में शामिल हुए।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने छत्तीसगढ़ नगरीय निकाय अधिकारी-कर्मचारी अधिवेशन को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए कहा कि नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग का दायित्व मिलने के बाद नगरीय निकायों में काम करने वाले कर्मचारियों का कल्याण पहले दिन से मेरी प्राथमिकता में रहा है। पिछले एक वर्ष में अनुकंपा नियुक्ति और पदोन्नति के विषय में सक्रियता से काम हुए हैं। विभाग ने अनुकंपा नियुक्ति के लंबित प्रकरणों पर संवेदनशीलता से विचार करते हुए 353 नए पद स्वीकृत किए हैं। श्री साव ने कहा कि उन्होंने सभी नगरीय निकायों को इन स्वीकृत नए पदों पर 10 जनवरी तक अनुकंपा नियुक्ति की प्रक्रिया पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। विभाग में पदोन्नति की प्रक्रिया भी लगातार चल रही है। अभियंताओं की पदोन्नति के बाद अभी 36 कर्मचारियों को सीएमओ पदोन्नत किया गया है। अन्य पदों पर भी इसकी कार्यवाही चल रही है। सभी निकायों के सेट-अप पुनरीक्षण के लिए भी हम लोग काम कर रहे हैं।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने अधिवेशन में कहा कि कर्मचारियों की जरूरतों व मांगों को लेकर सरकार संवेदनशील है। विगत एक वर्ष में वेतन के भुतान के लिए नगरीय निकायों को 373 करोड़ रुपए जारी किए गए हैं। लंबित वेतन के भुगतान के लिए 51 करोड़ 77 लाख रुपए जारी करने की फाइल पर आज ही दस्तखत करके आ रहा हूं। ओपीएस तथा छटवें एवं सातवें वेतनमान के एरियर्स के लिए भी हम लोग वित्त विभाग से चर्चा कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि नगरीय निकायों की कार्यप्रणाली में सुधार के लिए विभाग निकायों के नए सिरे से वर्गीकरण के साथ ही इनकी संरचना को मजबूत करने की पहल कर रहा है। श्री साव ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार अधिकारियों-कर्मचारियों के हर सुख-दुख में उनके साथ है। उनकी सभी समस्याओं के निवारण के लिए तत्पर है। अरुण साव ने अधिकारियों-कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि नगरीय निकाय के कर्मचारी शहर के हर व्यक्ति के जीवन से जुड़ा होता है। शहरों को संवारने की महती जिम्मेदारी आप लोगों पर है। शहर और शहरवासियों को आप लोग अपना परिवार मानकर काम करेंगे तो काम के साथ बेहतर जुड़ाव होगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि आप लोग इस अधिवेशन से अपने निकायों को मजबूत और सुदृढ़ करने का संकल्प लेकर जाएंगे। लोगों तक सरकार की योजनाएं पहुंचाने के लिए नए उत्साह और ऊर्जा से काम करेंगे।

श्रेष्ठ धर्म वही है जिसका आचरण करने से श्रीनाथ के लिए प्रेम प्रगट हो जाए : रमेश भाई ओझा

रायपुर (विश्व परिवार)। प्रसिद्ध कथावाचक रमेश भाई ओझा की कथा राजधानी रायपुर के जैनम मानस भवन में चल रही है। ज्ञात हो की रमेश भाई ओझा की रायपुर में चौथी बार भागवत कथा होने जा रही है। इस साल के नव वर्ष 2025 में सत्संग के माध्यम से व्यक्ति, समाज और राष्ट्र के कल्याण और उन्नति का मार्ग भागवत रूपी सूर्य के आलोक में प्रशस्त कर रहे है। मिरानी ग्रुप के द्वारा आयोजित पूज्य भाईश्री रमेशभाई ओझा के श्रीमुख से श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ में प्रदेशभर में लोग पहुंच रहे है। 2025 नववर्ष की शुरुआत को लेकर कथावाचक रमेश भाई ओझा ने कहा, वैसे दार्शनिक रूप से कहा जाए तो कल स्वरूप परमात्मा अविनाशी और अखंडता उसके टुकड़े नहीं हो सकते, लेकिन दुनिया के सभी सामान में अपने-अपने हिसाब से नव वर्ष चिन्हित किया है। इस कथा में मानवता जड़, राष्ट्रवाद और इस राष्ट्रभक्ति के चलते एक भारतीय होने के नाते हमारा क्या कर्तव्य है. क्या दायित्व है समाज के प्रति, परिवार के प्रति, पर्यावरण, राष्ट्र, मानवता के प्रति और सबसे बढ़कर मेरा स्वयं के प्रति क्या दायित्व है इसके लिए प्रेरित रहे है। व्यासपीठ से रमेश भाई ओझा ने रविवार की कथा में दो सवाल उठाए। उन्होंने सत्संग और कथा में जिस तरह चमत्कार दिखाए जाते हैं, उसपर तंज करते हुए कहा कि सत्संग में आज रुचि नहीं, लोग अपने संशय के समाधान के लिए टोटका जानने पहुंचते हैं।

बच्चे कैसे पास हो जाएं, कैसे नौकरी मिल जाए, कैसे धन आ जाए..? ऐसी भीड़ जुट रही है। उन्होंने यह भी कहा, धर्म की रक्षा माहौल खराब करने से नहीं होती, बल्कि इसके लिए संस्कार और संस्कृति का पालन करना जरूरी है। कथाकार ओझा जैनम मानस भवन में श्रीमद् भागवत पुराण की कथा सुना रहे हैं। बड़ा सवाल किया कि आज मंदिरों में जो भीड़ है वह किसकी है भक्तों की या भिखारियों की? भगवान को चाहने वालों की? धर्म की रक्षा तो संस्कृति व संस्कार से ही हो सकती है। श्रेष्ठ धर्म वही, जिसका आचरण करें। तर्क से परमात्मा को जानने का प्रयास करोगे तो कभी नहीं पाओगे। संशय छुपाकर या बचाकर न रखो इसे योग्य व्यक्ति के समक्ष प्रगट कर दो। जैनम मानस भवन में श्रीमद्भागवत ज्ञान यज्ञ के चौथे दिन भगवताचार्य रमेश भाई ओझा ने श्रीमद्भागवत कथा से जोड़कर कई महत्वपूर्ण सूत्र बताए। भगवान ने जो किया है वह भागवत है और जो गाया है वह गीता है। भागवत गीता में 18 हजार श्लोक हैं और गीता में 7 सौ। भगवत ज्ञान के तत्व को श्रीमद्भागवत कथा-रामायण से समझना बहुत ही सरल हो जाता है।

तर्क से परमात्मा को जानने का प्रयास करोगे तो कभी नहीं पाओगे। तर्क से तुम अपने को ज्यादा बुद्धिमान समझते हो तो तीखे-तीखे तर्क कर सकते है, लेकिन यह उत्तर नहीं है और न ही तर्क समाधान हैं। समाधान श्रद्धा में हैं। तर्क हरा सकता है लेकिन जीत नहीं दिला सकता। संशय छुपाकर या बचाकर न रखो इसे योग्य व्यक्ति के समक्ष प्रगट कर दो नहीं तो संशय का रोग आपको मार देगा। संशय तुम्हे मारे इससे पहले उसे मिटा दो। दरिद्रता जैसा दुख नहीं और सत्संग जैसा सुख नहीं। मंदिरों में आज जो भीड़ हैं वह भक्तों की है या भिखारियों की? गरीबों से प्रेम करो, गरीबी से नहीं। गरीबी और अमीरी के बीच बढ़ती खाई किसी भी दृष्टि से अच्छा नहीं हैं। उस खाई को पाटना आपका धर्म है। इसलिए अपनी कमाई का दसवां हिस्सा धर्म में खर्च करो। श्रेष्ठ धर्म वही है जिसका आचरण करने से श्रीनाथ के लिए प्रेम प्रगट हो जाए। आवश्यकता अपने आप को तैयार करने की है।

अदाणी फाउंडेशन द्वारा साल्ही गांव के संगवारी रामायण मंडली को प्रदान किया गया वाद्य यंत्र

अंबिकापुर (विश्व परिवार)। अदाणी फाउंडेशन द्वारा शनिवार को ग्राम साल्ही के संगवारी रामायण मंडली को, ढोलक, बेंजो, हार्मोनियम, तबला इत्यादि वाद्य यंत्र प्रदान किया गया। राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड के सामाजिक सरोकारों के तहत परसा ईस्ट केते बासेन खदान के पास के गांव साल्ही के बैगापारा में अदाणी एंटरप्राइजेज के क्लस्टर एचआर प्रमुख श्री राम द्विवेदी ने इन वाद्य यंत्रों को संगवारी रामायण मंडली को सौंपा। इस मौके पर अदाणी फाउंडेशन, सरगुजा के सीएसआर प्रमुख श्री अशोक पंडा तथा अनिल जायसवाल मौजूद थे। इसका उद्देश्य गांवों में युवाओं को सौहाद्र पूर्ण माहौल में भक्ति के मार्ग से जोड़ना है। साथ ही इससे गाँवो में नशाखोरी जैसी कुरीतियों को खत्म करने में सहायक सिद्ध होंगे तथा सामाजिक समरसता के प्रति जागरूकता बढ़ेगी।

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह की संवेदनशील पहल 6 माह से पेंशन के लिए भटक रही वृद्ध महिला को कलेक्टर ने आधे घंटे में दिलाया

रायपुर (विश्व परिवार)। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह की संवेदनशील पहल की वजह से आज एक वृद्ध महिला के पेंशन नहीं मिलने की समस्या आधे घंटे के भीतर ही निराकृत हो गई। मोमिनपारा निवासी फलीजा बानो आज कलेक्टर जनदर्शन में अपनी फरियाद लेकर पहुंची। इस दौरान बानो ने अपनी समस्याओं से कलेक्टर को अवगत कराया। श्रीमती बानो ने बताया कि पिछले छह माह से उन्हें निराश्रित पेंशन की राशि नहीं मिल रही है। जिसकी वजह से वह काफी परेशान है। नगर निगम के चक्कर भी महीनों से लगा रही है, लेकिन उनकी समस्याओं का निराकरण नहीं हुआ। कलेक्टर ने उनकी बातों को संवेदनशीलता से सुनने के बाद तत्काल नगर निगम के अधिकारियों को निर्देशित किया। जैसे ही कलेक्टर डॉ. सिंह रायपुर नगर निगम में प्रशासक का चार्ज लेने पहुंचे। तत्काल वृद्ध महिला को वहां बुलाया और अधिकारियों को समस्या का त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए। इसके बाद महिला की समस्या को आधे घंटे के भीतर ही निराकृत कर दिया गया। बैंक के अधिकारी द्वारा तत्काल निगम मुख्यालय पहुंचे और उनके हाथों पेंशन राशि तीन हजार रूपए दी। जैसे हाथ में राशि मिली वृद्ध महिला के चेहरे में खुशी लौट आई और कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह का आभार जताते हुए धन्यवाद दिया। कलेक्टर के निर्देशानुसार श्रीमती बानो को सम्मान कार्यालय में बिठाया गया और घर पहुंचाने की निगम ने व्यवस्था की।

उल्लेखनीय है कि रायपुर नगर निगम द्वारा 60 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्गों को निराश्रित पेंशन देने की योजना बनाई गई है। इसके तहत वृद्ध को प्रतिमाह 500 रूपए दिया जाता है।

पॉवर कंपनी में नि:शुल्क चिकित्सा शिविर, डॉ.अबीर व डॉ.सुरभि द्वारा जांच व उपचार

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी डंगनिया औषधालय में नि:शुल्क दंत एवं ईएनटी (कान, नाक एवं गला) परीक्षण शिविर रायपुर नेत्र चिकित्सालय एवं डॉ. मिश्रा हॉस्पिटल के तत्वावधान में आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एच.एल. पंचारी, वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. इंदु साहू, डॉ. निलेश सिंह एवं चिकित्साधिकारी डॉ. श्वेता जैन उपस्थित थे।

शिविर में दंत विशेषज्ञ डॉ. अबीर मिश्र एवं ईएनटी विशेषज्ञ डॉ. सुरभि मिश्र ने लगभग 90 लोगों का परीक्षण किया। पॉवर कंपनी के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए इस शिविर में दंत तथा कान, नाक, गला की बीमारियों के संबंध में जागरूकता लाने की पहल की गई। डॉ. अबीर मिश्र ने नियमित दाँत जाँच और सक्रिय मौखिक स्वास्थ्य देखभाल की महत्ता पर जोर दिया। नई तकनीक से होने वाले उपचारों के विषय में भी लोगों को जागरूक किया गया। इसी प्रकार डॉ. सुरभि ने कान, नाक, गला की बीमारियों की नई प्रवृत्तियों और रोकथाम के उपायों के संबंध में चर्चा की। पॉवर कंपनी में अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए कैशलेस स्वास्थ्य योजना के तहत सीजीएचएस रेट पर विभिन्न दंत एवं ईएनटी चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध है जिसके तहत पात्र मरीज एवं परिजन इस सुलभ चिकित्सा सुविधाए का लाभ ले सकते है।

एस.एम.सी. सुपरस्पेशलिटी अस्पताल में घुटने की हुई सफल सर्जरी

रायपुर (विश्व परिवार)। बाइक से गिरने के कारण 55 वर्षीय पुरुष का घुटना मुड़ रहा था रहा था एवं पैर में दर्द एवं सूजन था मरीज का लोकल अस्पताल में एक्स-रे हुआ जो की नॉर्मल था एवं मरीज के लक्षणों में कोई भी सुधार नहीं था जिसके कारण उन्होंने रेलवे अस्पताल में डॉ. सौरभ खरे (अस्थि रोग विशेषज्ञ एवं जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जन) से परामर्श लिया।

चेकअप के दौरान मरीज के घुटने का लिगामेंट का टूटे होने का पता चला जिसे कंफर्म करने के लिए MRI फिल्म की जांच कराई गई जिससे इस बात की पुष्टि हुई।

इसके बाद मरीज को एस एम् सी सुपरस्पेशलिटी अस्पताल में भर्ती करके आर्थोस्कोपी तकनीक द्वारा बिना चीर फाड़ के ऑपरेशन कर ष्टरुलिगामेंट को बनाया गया,

सर्जरी के बाद मरीज बेहतर महसूस कर रहे हैं एवं घुटने के लपक में सुधार आ गया आर्थोस्कोपिक सर्जरी, दूरबीन के द्वारा सूक्ष्म चीरे के साथ की जाने वाली फाइन सर्जरी है जो की कंधे एवं घुटने के टूटे हुए लिगामेंट के लिए अनुभवी सर्जन के द्वारा किया जाता है एवं इसमें रिकवरी बहुत तेज होती है तथा संक्रमण का जोखिम भी नहीं होता है, इस प्रकार की सर्जरी एस एम् सी सुपरस्पेशलिटी अस्पताल में काफी अधिकता में किया जाता है मरीज अब स्वस्थ एवं डिस्चार्ज होकर चले गए, इस सफल सर्जरी के लिए उन्होंने डॉ. सौरभ खरे एवं स्टाफ का धन्यवाद दिया है,

इस प्रकार की इंजरी (चोट) आजकल सामान्य हो गयी है जो की किसी को भी हो सकती है, इससे तरह के दर्द के निवारण के लिए अस्थि रोग विशेषज्ञ एवं जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जन से परामर्श लेकर आगे का इलाज करवाना चाहिए एस एम् सी सुपरस्पेशलिटी अस्पताल के अनुभवी चिकित्सक एवं स्टाफ हमेशा आप के सेवा में तत्पर है।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत से की मुलाकात

रायपुर (विश्व परिवार)। उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने आज नई दिल्ली में केंद्रीय पर्यटन मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत से मुलाकात की। इस दौरान पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार के अतिरिक्त सचिव और छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के प्रबंध संचालक श्री विवेक आचार्य उपस्थित थे। इस दौरान राज्य में पर्यटन विकास की दो बड़ी योजनाओं के प्रस्ताव के उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने केंद्रीय मंत्री को सौंपे।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन और निर्देशानुसार स्वदेश दर्शन 2.0 योजना के तहत महाप्रभु वल्लभाचार्य यज्ञ कुंड परिसर, चंपारण्य के सौंदर्यीकरण और भोरमदेव कॉरिडोर जिला कबीरधाम की परियोजनाओं के लगभग 200 करोड़ रुपये के प्रस्ताव भारत सरकार को सौंपे गए। इस प्रस्ताव में महाप्रभु वल्लभाचार्य यज्ञ कुंड परिसर, चंपारण्य में परिसर का सौंदर्यीकरण, प्रवेश द्वार, तालाब ब्यूटीफिकेशन, पार्किंग एरिया, महाप्रभु वल्लभाचार्य की भव्य प्रतिमा, म्यूजियम, कन्वेंशन सेंटर, भागवत कथा एवं प्रवचन हॉल, बच्चों के लिए गार्डन, कैफेटेरिया, सड़क निर्माण, लैंडस्कैपिंग, सोवेनियर शॉप, पेयजल और पब्लिक टॉयलेट जैसी बुनियादी सुविधाओं का विकास प्रस्तावित है।

चेम्बर के संविधान संशोधन के खिलाफ की गई अपील खारिज

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी, महामंत्री अजय भसीन, कोषाध्यक्ष उत्तमचंद गोलछा, कार्यकारी अध्यक्ष राजेंद्र जग्गी, विक्रम सिंहदेव, राम मंधान, मनमोहन अग्रवाल ने बताया कि चेम्बर के संविधान संशोधन के विरूद्ध श्री श्रीचन्द सुन्दरानी द्वारा प्रस्तुत अपील रजिस्ट्रार ने खारिज कर दी है। रजिस्ट्रार के समक्ष चेम्बर के संविधान संशोधन के विरूद्ध श्रीचन्द सुन्दरानी एवं अन्य ने चुनौती दी थी, जिस पर रजिस्ट्रार, फर्म्स एवं संस्थाएं ने दोनों पक्षों की सुनवाई करने के पश्चात् चेम्बर द्वारा किये गये संविधान संशोधन को विधिसम्मत एवं पूरी प्रक्रिया से किया गया बताया और प्रस्तुत की गई शिकायत खारिज कर दी। चेम्बर कार्यकारी अध्यक्ष विक्रम सिंहदेव ने कहा कि यह संशोधन पूरी पारदर्शिता और पूरी प्रक्रिया के साथ सबको समान अवसर देने के उद्देश्य से किया गया है। श्रीचन्द सुन्दरानी जी से अनुरोध है कि चेम्बर के चुनाव को अब और कानूनी दांवपेंच में न उलझाकर स्वस्थ चुनाव का मार्ग प्रशस्त करें।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा आसमां पब्लिसर्स इंडिया प्रा.लि. पंजाब नेशनल बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354